▪ माघ शुक्ल - 8 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 190 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 05-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी ने भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है : राजकुमार चाहर

6 क्या डॉलर के दम पर चीन से निबटेगा अमेरिका?

7 महाकुंभ में भगदड़ कोई बड़ी घटना नहीं थी, इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है

फर्स्ट टेक

मोरक्को नाव हादसे में 40 से अधिक पाकिस्तानियों की मौत

इस्लामाबाद/एजेन्सी। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने मंगलवार को कहा कि पिछले महीने मॉरिटानिया-मोरक्को नाव दुर्घटना में मारे गए 40 पाकिस्तानियों में से 13 की पहचान की पुष्टि कर दी गई है। एफओ ने कहा कि 80 यात्रियों को ले जा रही नाव मोरक्को के पास डूब गई, जिसमें कथित तौर पर 40 से अधिक पाकिस्तानी मारे गए। 'डॉन' की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि पश्चिम अफ्रीका से स्पेन के कैनरी द्वीप को पार करने की कोशिश कर रहे लोगों सहित नवीनतम घातक मलबे में 50 से अधिक प्रवासी डूब गए होंगे। जहाज़ पर सवार लगभग 66 पाकिस्तानियों में से केवल 22 ही इस त्रासदी में बच पाए।

भारत ने एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों की खरीद के लिए रूस के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को रूस के साथ एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह कदम भारतीय नौसेना के पनडुब्बी बेड़े की लड़ाकू क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अनुबंध पर हस्ताक्षर की घोषणा की। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। पोस्ट में कहा गया, ''रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को नयी दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों की खरीद के लिए रूस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। ये मिसाइलें भारतीय नौसेना के पनडुब्बी बेड़े की लड़ाकू क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी।''

ओपनएआई ने व्हाट्सएप के जरिये चैटजीपीटी तक पहुंच देने वाला 'अपडेट' जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में सक्रिय ओपनएआई के संस्थापक सैम आल्टमैन की भारत यात्रा के एक दिन पहले मंगलवार को कंपनी ने व्हाट्सएप के जरिये अपने एआई टूल चैटजीपीटी तक पहुंच देने वाले अपडेट की घोषणा की। ओपनएआई के इस अपडेट में एक नया फीचर शामिल है जो उपयोगकर्ताओं को लोकप्रिय मैसेजिंग मंच व्हाट्सएप पर ऑडियो संदेश का इस्तेमाल कर चैटजीपीटी से बात करने और उससे लिखित रूप में जवाब पाने की अनुमति देगा।

सूर्यास्त 05-02-2025 6:11 बजे	सूर्योदय 06-02-2025 6:34 बजे
BSE 78,583.81 (+1,397.07)	NSE 23,739.25 (+378.20)
सोना 8,773 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 106,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सजा और तारीख

पकड़े जाएं ना अपराधी,
जब तक सबूत ना लाएंगे।
यदि जो सबूत भी ले आए,
अधिवक्ता गलत बताएंगे।
सम्मन तारीखें दे-दे कर,
जज बारम्बार बुलाएंगे।
उनको देंगे तब तक नोटिस,
जब तक ना वे मर जाएंगे।।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में 17 घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर किया प्रहार

हम जहर की राजनीति नहीं करते, सबका कल्याण हमारा ध्येय : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह संविधान की भावना को जी रहे हैं, गरीबों को मजबूत बनाने के लिए पारदर्शी तरीके से काम कर रहे है तथा जहर की राजनीति से दूर रहकर समाज में तनाव पैदा किये बिना सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में 17 घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पिछले दस साल में उनके फोकस में सिर्फ गरीब ही रहा है और गरीबों के उत्थान के लिए उन्होंने इस तरह की पारदर्शी योजनाएं बनाई जिनका सीधा लाभ देश के गरीबों को मिले। डिजीटली प्रौद्योगिकी के जरिए कल्याणकारी योजनाओं को गरीबों के घरों तक पहुंचाया जा रहा है।

संविधान को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए मोदी ने कहा, राष्ट्रपति ने (अभिभाषण में) संविधान के 75 वर्ष पूरे होने की विस्तार से चर्चा की है। संविधान में जो धाराएं हैं, संविधान की एक भावना भी है। संविधान को मजबूती देने के लिए उसकी भावना को जीना पड़ता है। हम वो लोग हैं जो संविधान को जीते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की भावनाओं का सम्मान करते हुए हमने उस समय भी सबसे बड़े विपक्षी दल को सम्मान दिया जब 2014 में मान्य विपक्ष भी नहीं था। हमने सबके हित के लिए काम करने का तरीका बदला। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने पहले शासन का मॉडल ही ऐसा बनाया था कि कुछ ही लोगों को दो, औरों को तड़पाओ और तुष्टिकरण की राजनीति करो। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा विश्वास है कि देश को विकसित बनाने के लिए तुष्टिकरण से मुक्ति पानी होगी। हमने रास्ता चुना है- संतुष्टिकरण का। हर समाज, हर वर्ग के लोगों को उनका हक मिलना चाहिए।

मोदी ने अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के कल्याण के लिए अपनी सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया और कहा, जाति की बातें करना कुछ लोगों का फैशन बन गया है। पिछले 30 साल से सदन में आने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज के सांसद दलों के भेदभाव से ऊपर उठकर एक होकर मांग कर रहे थे कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए। जिन लोगों को आज जातिवाद में मलाई दिखती है, उन लोगों को उस समय ओबीसी की याद नहीं आई। हमने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले। देशवासियों के साथ इस अहम सवाल पर चिंतन और चर्चा करने की जरूरत है। क्या एक ही समय पर संसद में अनुसूचित जाति वर्ग के एक परिवार के तीन सांसद हुए हैं?

उन्होंने कहा कि हम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति समाज को कैसे मजबूत बनायें और समाज में तनाव पैदा किये बिना वंचित वर्ग के कल्याण के लिए कैसे काम किया जाता है, इसके कई उदाहरण हैं।

हमने गरीबों को मजबूत बनाने का काम किया : मोदी

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह गरीबी को जानते हैं और गरीब का दर्द समझते हैं, इसलिए उनकी सरकार ने गरीबी की समस्या के समाधान की कई योजनाएं बनाई हैं और गरीबों को फायदा पहुंचाने का काम पारदर्शी तरीके से किया है। मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर दो दिन चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार न सिर्फ गरीबों के हित के लिए काम कर रही है बल्कि पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक पैसे की बचत कर रही है और उस पैसे का इस्तेमाल विकास के काम में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों की समस्या के समाधान के लिए स्वास्थ्य कार्ड, शौचालय, हर में नल से जल, मृदा स्वास्थ्य कार्ड से न केवल गरीब लोगों के जीवन आसान हुआ है बल्कि उन्हें हजारों करोड़ रुपए की बचत हो रही है। डिजीटली प्रौद्योगिकी के जरिए कल्याणकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में डालकर लोगों को उसका पूरा लाभ मिला है साथ ही करोड़ों की संख्या में फर्जी लाभार्थियों की छंटाई हुई है। मोदी ने कहा कि पहले गांव में महिलाएं खुले में शौच जाने के लिए सूर्योदय से उठ जाती थीं और उनकी सरकार ने इन लोगों की समस्याओं को करीबी से समझा है उनके लिए 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय का निर्माण कर उनकी समस्या का समाधान करने का प्रयास किया है। कुछ नेताओं का फोकस घरों पर स्टाइलिस्ट सावर आदि पर होता है, लेकिन हमारा फोकस हर घर जल पहुंचाने का रहा है। हमारी सरकार ने पांच साल में 12 करोड़ घरों में नल से जल देने का काम किया है और वह काम तेजी से आगे भी बढ रहा है। हमने गरीबों के हितों के लिए काम किया है और यही वजह है कि राष्ट्रपति ने अपने भाषण में इसकी चर्चा की है।

सनातन धर्म के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं मारीच और सुबाहु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि मारीच और सुबाहु सनातन धर्म के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं लेकिन इस धर्म को लाखों संतों का सानिध्य प्राप्त है, ऐसे में उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री ने यहां सेक्टर छह स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी के शिविर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महाकुंभ के विराट स्वरूप को संपूर्ण विश्व के लिए आस्था और सनातन धर्म का एक अद्वितीय प्रतीक बताया। इस दौरान, उन्होंने शिविर में चल रहे 151 कुंडी अखंड भारत संकल्प महायज्ञ में आहुति भी दी।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''इस महाकुंभ में अब तक 38 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान से आरंभ यह आयोजन 22 दिनों में दुनियाभर के श्रद्धालुओं के लिए सनातन धर्म की महिमा का भव्य दर्शन प्रस्तुत कर चुका है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें सनातन धर्म का यह विराट स्वरूप अच्छा नहीं लग रहा है। ये वही लोग हैं, जो राम जन्मभूमि का विरोध करते रहे और कुंभ जैसे आयोजनों पर भी सवाल उठाते रहे। ये वही लोग हैं, जो कोरोना महामारी के दौरान जांच, इलाज और टीकाकरण का भी विरोध कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के भव्य प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए कहा कि इस आयोजन ने पूरी दुनिया को सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ और राम मंदिर का निर्माण सनातन संस्कृति की शक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म सुरक्षित है तो भारत सुरक्षित है और भारत सुरक्षित है तो मानवता सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के पूज्य संतों और आचार्यों की परंपरा पर संदेह करने का कोई स्थान नहीं है।

भूटान को रक्षा तैयारियों को बढ़ाने में सहयोग करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भूटान को उसकी रक्षा तैयारियों को बढ़ाने में सैन्य उपकरण और परिसंपत्तियों की आपूर्ति समेत समर्थन देने संबंधी भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सिंह ने रॉयल भूटान आर्मी के मुख्य परिचालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल बाटू शेरिंग के साथ बैठक में यह बात कही।

भूटान के शीर्ष सैन्य कमांडर शनिवार से भारत की छह दिवसीय यात्रा पर हैं।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और लेफ्टिनेंट जनरल शेरिंग ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इसने कहा, ''रक्षा मंत्री ने भूटान की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और भारत की 'पड़ोस प्रथम' नीति के अनुरूप रक्षा तैयारियों के लिए क्षमता बढ़ाने में भूटान को समर्थन देने संबंधी भारत की तत्परता की पुष्टि की, जिसमें भूटान की क्षमताओं को बढ़ाने के वास्ते रक्षा उपकरण और परिसंपत्तियों का प्रावधान भी शामिल है।''

लेफ्टिनेंट जनरल शेरिंग ने भारत के निरंतर सहयोग की सराहना की तथा भूटान की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने तथा रॉयल भूटान आर्मी (आरबीए) कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायता करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया। उन्होंने क्षेत्र में शांति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की आरबीए की दृढ़ प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाया

बीजिंग/एपी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगा रहा है। साथ ही उसने अमेरिकी सर्च इंजन 'गूगल' की जांच सहित अन्य व्यापार संबंधी उपायों की भी घोषणा की है। सरकार ने कहा, वह कोयला तथा तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत शुल्क लागू करेगी। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़ी कारों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। बयान में कहा गया, ''अमेरिका की एकतरफा शुल्क वृद्धि विश्व व्यापार संगठन के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। यह अपनी समस्याओं को हल करने में कोई मदद नहीं करेगा, बल्कि यह चीन तथा अमेरिका के बीच सामान्य आर्थिक व व्यापार सहयोग को नुकसान पहुंचाएगा।'' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन पर लगाया गया 10 प्रतिशत शुल्क मंगलवार से लागू हो गए।

जीएसटी परिषद जल्द ही दरों, स्लैब की संख्या पर फैसला लेगी : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी दरों एवं स्लैब की समीक्षा का काम लगभग पूरा हो चुका है और कर स्लैब एवं दरों में कटौती पर जल्द ही जीएसटी परिषद फैसला लेगी। इस समय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) एक चार-स्तरीय कर संरचना है, जिसमें पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार स्लैब हैं।

विलासिता एवं नुकसानदेह वस्तुओं पर सबसे अधिक 28 प्रतिशत कर लगाया जाता है। दूसरी ओर पैकिंग वाले खाद्य पदार्थों और जरूरी वस्तुओं पर सबसे कम पांच प्रतिशत कर लागू है।

सीतारमण की अध्यक्षता में राज्यों के वित्त मंत्रियों की परिषद ने जीएसटी दरों में बदलाव के साथ ही स्लैब को कम करने का सुझाव देने के लिए मंत्री समूह (जीओएम) गठित किया है।

वित्त मंत्री ने बजट पर आयोजित इंडिया टुडे-बिजनेस टुडे के एक कार्यक्रम में कहा, ''जीएसटी दरों को युक्तिसंगत और सरल बनाने का काम पहले ही शुरू हो चुका है। वास्तव में, यह लगभग तीन साल पहले शुरू हुआ था।'' उन्होंने कहा कि बाद में इसका दायरा बढ़ाया गया और अब यह काम लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने जीएसटी परिषद में शामिल मंत्रियों से कहा कि वे दरों पर अधिक गहराई से विचार करें, क्योंकि यह मुद्दा आम लोगों की जरूरतों से जुड़ा है। सीतारमण ने कहा, ''मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अवसर न खोएं। हम दरों के स्लैब कम करने के साथ कम दरें भी चाहते थे। इसलिए इस दिशा में काम होना चाहिए और मुझे उम्मीद है कि जीएसटी परिषद जल्द ही इस पर फैसला करेगी।''

अवैध प्रवासियों को हटा रहे हैं : अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के एक सैन्य विमान द्वारा कुछ अवैध प्रवासियों को भारत लाने की खबरों के बीच यहां अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका आव्रजन कानूनों को सख्त कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के करीब दो सप्ताह बाद अवैध भारतीय नागरिकों को निर्वासित करने का पहला दौर शुरू हुआ है। ट्रंप ने अमेरिका में रहने वाले अवैध प्रवासियों से निपटने के लिए सख्त नीतिगत दृष्टिकोण अपनाने का वादा किया है और वह पहले ही आव्रजन से संबंधित कई शासकीय आदेशों पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। अवैध प्रवासियों के एक समूह को भारत लाने वाली उड़ान के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन जोर देकर कहा कि अमेरिका अवैध प्रवासियों को निकाल रहा है। अधिकारी ने कहा, ''मैं उन जांच के बारे में कोई विवरण साझा नहीं कर सकता, लेकिन मैं रिकॉर्ड पर साझा कर सकता हूं कि अमेरिका अपनी सीमा की सुरक्षा को लेकर सख्त है,

भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध पहले से भी अधिक महत्वपूर्ण हैं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि अस्थिर और अनिश्चित दुनिया में भारत-यूरोपीय संघ के बीच मजबूत संबंधों का होना ''स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण कारक'' हो सकता है। जयशंकर ने यह भी कहा कि अब दोनों पक्षों के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

यहां आईआईसी-ब्रूगेल वार्षिक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना यह भी कहा कि ''हमारे अपने महाद्वीप में, अंतरराष्ट्रीय कानून की अवहेलना की गई है, जिसके गंभीर परिणाम हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि लोकतंत्र और सैन्य शासन जैसे सवाल पर भी पूर्व के हमारे पड़ोसियों और पश्चिम के हमारे पड़ोसियों के लिए अलग-अलग मानदंड लागू किए गए हैं।''

दूसरी आईआईसी-ब्रूगेल वार्षिक संगोष्ठी चार से 12 फरवरी तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित की जा रही है।

जयशंकर ने कहा, ''हम सभी सहज रूप से महसूस कर सकते हैं कि दुनिया एक बड़े बदलाव के मुहाने पर है।'' उन्होंने कहा, ''चाहे वह ऊर्जा का क्षेत्र हो या संपर्क, गतिशीलता हो या प्रौद्योगिकी, बड़े बदलाव हमारा इंतजार कर रहे हैं।''

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम इस पर आगे बढ़ें।''

जयशंकर ने यह भी कहा कि हाल के वर्षों में यूरोपीय आयोग के साथ ''अधिक गहन जुड़ाव'' हुआ है और ''हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह जुड़ाव और भी अधिक होगा''।

महामारी से निपटने के लिए देश में मजबूत प्रणाली : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि भविष्य की महामारियों और स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए देश में बहुत मजबूत प्रणाली है। नड्डा ने पिछले 10 साल में, खासकर कोविड-19 महामारी के बाद, देश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत ने साबित कर दिया है कि उसके पास आने वाली किसी भी महामारी से निपटने के लिए मजबूत प्रणाली है।

भारत की क्षमता का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि देश में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) है, जो इस संबंध में निगरानी करता है। उन्होंने कहा, ''यह शीर्ष निकाय है जो बीमारियों और अन्य उभरते वायरस उत्परिवर्तन पर नजर रखता है।'' उन्होंने कहा कि एनसीडीसी के तहत देश में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम है।

नड्डा ने कहा कि देश में त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) और स्वास्थ्य नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए विकेन्द्रीकृत बहु-विषयक टीमें हैं। किसी भी महामारी से निपटने की क्षमता के संबंध में उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की 150 प्रयोगशालाएं और वायरल अनुसंधान निदान प्रयोगशालाएं हैं। इसके साथ ही पुणे में विश्वस्तरीय राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान है।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक राज्य अनुदानित प्राथमिक शाला शिक्षक संघ द्वारा शासक भवन में शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री कृष्णापा, विधान परिषद सदस्य पुट्टना, विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने उत्तम शिक्षकों एवं सेवानिवृत शिक्षकों को पुरस्कृत किया।

हमने लाखों करोड़ रुपए की बचत की, 'शीशमहल' नहीं बल्कि देश बनाने के लिए उपयोग किया : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने अलग-अलग कदमों से लाखों करोड़ रुपए की बचत की, लेकिन इसका उपयोग 'शीशमहल' बनाने पर नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए किया है।

उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि उनकी सरकार में कोई घोटाले नहीं होने से लाखों करोड़ रुपए बचे हैं। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए

मतदान से एक दिन पहले 'शीशमहल' (केजरीवाल का पूर्व आधिकारिक निवास) का मुद्दा उठाया।

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का आरोप है कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते अपने आधिकारिक आवास के नवीनीकरण पर करोड़ रुपए खर्च किए। मोदी ने कहा, ''पहले अखबारों की हेडलाइन (शीर्षक) हुआ करती थी- इतने लाख के घोटाले... 10 साल हो गए, घोटाले न होने से देश के लाखों करोड़ रुपए बचे हैं, जो जनता जनार्दन की सेवा में लगे हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने जो अलग-अलग कदम उठाए, उनसे लाखों-करोड़ रुपए की बचत हुई, लेकिन उन पैसों का उपयोग हमने 'शीशमहल' बनाने के लिए नहीं किया, उन पैसों का उपयोग हमने देश बनाने के लिए किया है।'' उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम लिये बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''कुछ नेताओं का फोकस (ध्यान) जकूजी पर, स्टाइलिश शावर पर है, लेकिन हमारा फोकस हर घर जल पहुंचाने पर है।

बजट महंगाई बढ़ाने वाला नहीं, एक साथ मिलकर काम करें मौद्रिक-राजकोषीय नीतियां : वित्त सचिव

नई दिल्ली/भाषा। वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए कदम उठाते हुए ऐसा बजट पेश किया है, जो महंगाई बढ़ाने वाला नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति वृद्धि का समर्थन करने के लिए राजकोषीय नीति के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने साथ ही कहा कि यद्यपि रुपए में गिरावट से आयातित कच्चा माल महंगा होता है, लेकिन इससे निर्यात प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती है। पांडेय ने कहा कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के साथ-साथ अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भी अपने राजकोषीय घाटे के अनुमानों को बेहतर किया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो बजट में निर्धारित 4.9 प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। वहीं अगले वित्त वर्ष (2025-26) में राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो समेकन रूपरेखा में दिए गए अनुमान से कम है। उन्होंने कहा, '' यह स्पष्ट करना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमें (सरकार को) एक निश्चित राजकोषीय व्यवस्था के भीतर रहना है। हमने, इस सीमा तक मौद्रिक अधिकारियों को यह कहने में सहायता की है कि यदि उन्हें (आरबीआई को) वह करना है जो वे करना चाहते हैं तो हम समर्थन करेंगे।

प्रदर्शनकारी किसानों से अगले दौर की वार्ता 14 फरवरी को : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि पंजाब एवं हरियाणा में प्रदर्शन कर रहे किसानों से छठे दौर की वार्ता 14 फरवरी को की जाएगी। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा को यह जानकारी दी। पिछले माह हुई वार्ता में सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कुछ फसलों को खरीदने के लिए पांच साल की योजना का प्रस्ताव दिया था किंतु किसानों की व्यापक मांग पर कोई सहमति नहीं बन पायी थी। ठाकुर ने कहा, ''किसानों के साथ अगले दौर की वार्ता 14 फरवरी, 2025 को प्रस्तावित है।'' उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगें उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हैं और सर्वोच्च न्यायालय ने एक समिति का गठन भी कर रखा है।

भारत-रूस व्यापार 2030 तक 100 अरब डॉलर का होगा : वरिष्ठ रूसी राजनेता

मुंबई/भाषा। रूसी संसद के निचले सदन 'स्टेट ड्यूमा' के चेयरमैन व्याचेस्लाव वोलोडिन ने मंगलवार को कहा कि भारत और उनके देश के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, वोलोडिन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन के साथ मुंबई के राजभवन में एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। बैठक में वोलोडिन के साथ रूसी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था।

बयान में कहा गया, ''वोलोडिन ने राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर संसदीय संस्थानों के साथ सहयोग विकसित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत राज्य एक मजबूत राष्ट्र बनाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक 100 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा।''

कंपनियों ने पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत 82,000 से अधिक ऑफर दिए

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) प्रायोगिक परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट) का दूसरा दौर 9 जनवरी से शुरू हुआ और पहले दौर में साझेदार कंपनियों ने 60,866 उम्मीदवारों को 82,077 पेशकश की। सरकार ने यह जानकारी दी। आम बजट 2024-25 में घोषित इस योजना का उद्देश्य पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है और पायलट प्रोजेक्ट 3 अक्टूबर, 2024 को शुरू हुआ था, जिसका लक्ष्य वित्तवर्ष 2024-25 में 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना था।

कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हरीश मल्होत्रा ने राज्यसभा को बताया कि साझेदार कंपनियों द्वारा 1.27 लाख से अधिक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए और 1.81 लाख से अधिक आवेदकों से लगभग 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए। प्रस्तावित इंटर्नशिप अवसरों में कंपनियों द्वारा मांगी गई आवश्यकताओं और आवेदकों की योग्यता के आधार पर, पायलट प्रोजेक्ट के पहले दौर में, साझेदार कंपनियों ने 60,866 उम्मीदवारों को 82,077 इंटर्नशिप ऑफर किए हैं, जिनमें से 29 जनवरी 2025 तक 28,141 उम्मीदवारों ने इंटर्नशिप में शामिल होने के प्रस्ताव स्वीकार कर लिए हैं।

खाद्यान्न की खरीद में कोई भ्रष्टाचार नहीं : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को संसद में दावा किया कि खाद्यान्न खरीद में कोई भ्रष्टाचार नहीं है और किसानों को 100 प्रतिशत भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जा रहा है।

जोशी राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब दे रहे थे। सरकारी खरीद प्रक्रिया में बिचौलियों के माध्यम से कथित भ्रष्टाचार को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में जोशी ने कहा कि खरीद प्रणाली में कोई भ्रष्टाचार नहीं है। उन्होंने कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस सदस्य दिग्विजय सिंह पर कटाक्ष भी किया और कहा कि वह संभवतः संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार का जिक्र कर रहे होंगे।

बिहार से राष्ट्रीय लोक मोर्चा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने भी बिचौलियों के माध्यम से खरीद प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और कहा कि इस वजह से किसानों को निर्धारित मूल्य नहीं मिल रहा है।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री ने कहा, ''हम डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से सीधे किसानों को पैसा भेजते हैं। हम 48 घंटे के भीतर सीधे किसानों के खातों में पैसा भेजते हैं।'' उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों या केंद्रीय एजेंसियों को भुगतान करता है, जो सीधे किसानों को उनके खातों में भुगतान करते हैं। उन्होंने कहा, ''पहले ऐसा होता था कि केंद्र द्वारा भेजे गए एक रुपए में से केवल 15 पैसे ही लाभार्थी तक पहुंचते थे। अब ऐसा नहीं होता...हम सीधे किसानों के खातों में भुगतान कर रहे हैं, कोई भ्रष्टाचार नहीं है।''

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जहां हाल में कुछ आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारियों ने शाह को केंद्र शासित प्रदेश की मौजूदा स्थिति और आतंकवादियों के खिलाफ जारी अभियानों के बारे में जानकारी दी। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकवादी हमले के बाद यह बैठक हुई। हमले में पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी तथा भांजी घायल हो गए थे। शाह ने 19 दिसंबर, 2024 को पिछली समीक्षा बैठक के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करने के लिए समन्वित तरीके से काम करना जारी रखने का निर्देश दिया था। सरकार का कहना है आतंकवादी घटनाओं, घुसपैठ और आतंकवादी संगठनों में युवाओं की भर्ती में उल्लेखनीय कमी आई है। सुरक्षा बलों ने पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया था, मुख्यतः नियंत्रण रेखा के निकट ऊंचे इलाकों और जंगली इलाकों में, ताकि पिछले वर्ष विभिन्न जिलों में कई हमलों को अंजाम देने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके। रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, जम्मू और राजौरी जैसे क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ी हैं।

आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभार्थियों ने 8.5 करोड़ उपचार करवाए : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि 31 जनवरी 2025 तक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत लाभार्थियों ने 8.5 करोड़ से अधिक उपचार करवाये। स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने एक प्रश्न के उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इनमें लगभग 4.2 करोड़ उपचार सरकारी अस्पतालों में तथा 4.3 करोड़ उपचार निजी अस्पतालों में कराये गये। देश में पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी को छोड़कर सभी राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश इस योजना के तहत शामिल हो गए हैं। नड्डा ने कहा कि एबी-पीएमजेएवाई ट्रस्ट माध्यम, बीमा माध्यम और मिश्रित (हाईब्रिड) माध्यम से लागू की जाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 25 राज्य ट्रस्ट माध्यम से, सात बीमा माध्यम से और दो राज्य हाईब्रिड माध्यम से यह योजना लागू की जा रही है। एबी-पीएमजेएवाई सरकार की एक प्रमुख योजना है जिसमें प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवर दिया जाता है। इसके करीब 55 करोड़ लाभार्थी हैं और इससे 12.37 करोड़ परिवारों को लाभ मिल रहा है। नड्डा ने कहा कि हाल में इस योजना का विस्तार 70 वर्ष से ऊपर के छह करोड़ बुजुर्गों को दिया गया जो 4.5 करोड़ परिवारों से संबंधित है।

केजरीवाल ने निर्वाचन आयोग से मुलाकात की, दिल्ली पुलिस पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के साथ मंगलवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) से मुलाकात की और विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय राजधानी में कथित तौर पर डराने-धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल पर चिंता जताई।

मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने पार्टी नेता राघव चड्ढा के साथ भाजपा व दिल्ली पुलिस पर मतदाताओं के बीच भय का माहौल पैदा करने के लिए ''गुंडागर्दी'' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमने निर्वाचन आयोग को बताया कि किस तरह दिल्ली पुलिस का दुरुपयोग हिंसा और धमकी के लिए किया जा रहा है। बहुत से लोग डरे हुए हैं और यह संभव है कि वे डर के कारण मतदान करने के लिए बाहर न आएं।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मतदान प्रतिशत को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, विशेषकर झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के बीच। केजरीवाल ने कहा, ''ऐसी खबरें हैं कि लोगों को मताधिकार से वंचित करने के लिए उनकी उंगलियों पर काली स्याही लगाई जा रही है और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे और धमकियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमने निर्वाचन आयोग के समक्ष ये चिंताएं उठाई हैं।'' उन्होंने बैठक का समय देने के लिए निर्वाचन आयोग को धन्यवाद दिया और कहा कि अधिकारियों ने उन्हें स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से चुनाव कराये जाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस तरह के किसी भी गलत कृत्य को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।'' दिल्ली विधानसभा की 70 सीट के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और मतगणना आठ फरवरी को होगी।

उत्तराखंडः सेना में भर्ती का झांसा देकर लोगों को ठगने वाला शातिर गिरफ्तार

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सेना में भर्ती का झांसा देकर युवकों से लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी खुद को सेना का अधिकारी बताता था।

उत्तराखंड एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि देहरादून स्थित सेना की खुफिया इकाई द्वारा इस संबंध में साझा की गयी सूचना पर कार्रवाई करते हुए फर्जी अधिकारी प्रमोद कुमार उर्फ वासू को सोमवार देर रात यहां चंद्रमणि रोड से गिरफ्तार किया गया। वासू, उप्र के सहारनपुर जिले के नुक्कड़ क्षेत्र का रहने वाला है। सूचना मिलने पर एसटीएफ टीम ने गोपनीय रूप से उन युवकों के बारे में जानकारी इकटठा की, जिनसे धोखाधड़ी हुई थी और उनसे पूछताछ में पता चला वासू ने खुद को सेना में अधिकारी बताया था तथा उनसे सेना में निकलने वाली ड्राइवर जैसे विभिन्न 'ट्रेडमेन' के पदों पर नौकरी लगवाने का दावा किया था।

अगर जम्मू कश्मीर में आतंकवाद खत्म हो गया है तो कुलगाम जैसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए : अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे को लेकर केंद्र सरकार के दावे पर रविवार को सवाल उठाया और कहा कि अगर आतंकवाद खत्म हो गया है तो कुलगाम आतंकी हमले जैसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। अब्दुल्ला ने दिल्ली चुनाव में जीत का दावा करने वालों की भी आलोचना की तथा इस बात पर जोर दिया कि यह निर्णय देश की जनता को करना है, न कि उन्हें या उनकी सहयोगी सकीना इटू को।

कुलगाम में सोमवार को हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने आतंकवाद को खत्म करने के सरकार के दावे पर सवाल उठाया। इस हमले में एक पूर्व सैनिक मारा गया और उसकी पत्नी सहित दो महिलाएं घायल हो गईं। उन्होंने कहा, ''उन लोगों से पूछिए जो दावा करते हैं कि आतंकवाद समाप्त हो गया है। अगर इस तरह की घटनाएं होती हैं, तो उनसे पूछिए कि उनका दावा कहां गया। हर दिन वे संसद में, संसद के बाहर, वादी में और हर जगह बयान देते हैं कि आतंकवाद समाप्त हो गया है।'' अब्दुल्ला ने यहां एक समारोह के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''अगर आतंकवाद खत्म हो गया है, तो इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए।'' अब्दुल्ला ने दिल्ली चुनाव, विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन, जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से जुड़ी चिंताओं सहित राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर कई सवालों के जवाब दिए।

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव और भाजपा के जीत के दावों के संबंध में अब्दुल्ला ने कहा कि सभी को बुधवार को होने वाले चुनावों का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) यह भी कहा कि वे (जम्मू कश्मीर में) सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह या उस तरह (जम्मू कश्मीर में) त्रिशंकु विधानसभा होगी।'' उन्होंने कहा, ''आज उनके दावे कहां चले गए? ऐसा लगता है कि अब उनकी बोलती बंद हो गई है। फैसला इस देश के लोगों द्वारा किया जाता है, न कि फारूक अब्दुल्ला या सकीना इटू द्वारा।'' दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों के अलग-अलग चुनाव लड़ने से भाजपा को लाभ मिलने की संभावनाओं के बारे में अब्दुल्ला ने गठबंधन पर इसके प्रभाव के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए कहा, ''अगर मैं ईश्वर या अंतर्यामी होता, तो मैं इसकी भविष्यवाणी कर सकता था। लेकिन मैं एक साधारण इंसान हूं।''

बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने से अधिक विदेशी कंपनियां आकर्षित होंगी: मूडीज

नई दिल्ली/भाषा। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने से बढ़ते भारतीय बीमा बाजार में अधिक वैश्विक कंपनियां आकर्षित होंगी। मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि इसके अलावा मजबूत प्रीमियम वृद्धि से क्षेत्र की लाभप्रदता बढ़ने की उम्मीद है। कई विदेशी बीमा कंपनियां वर्तमान में संयुक्त उद्यमों के जरिये देश में मौजूद हैं। विनियमन में इस बदलाव के बाद वे अपनी भारतीय सहयोगी कंपनियों में अपनी स्वामित्व हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर सकती हैं। मूडीज रेटिंग्स ने बयान में कहा, '' हम विदेशी निवेश को सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि इससे उत्पाद नवाचार बढ़ता है। विदेशी हितधारकों की उपस्थिति से पूंजी पर्याप्तता, वित्तीय मजबूती और शासन मानकों के क्षेत्रों में भी लाभ मिलता है।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 का बजट पेश करते हुए नई पीढ़ी के वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था।

'इंडियासाइज' इस महीने के अंत में भारत टेक्स में जारी किया जाएगा: कपड़ा सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बहुप्रतीक्षित 'इंडियासाइज' पहल इस महीने के अंत में भारत टेक्स कार्यक्रम में जारी की जाएगी। कपड़ा सचिव नीलम शमी राव ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह एक अध्ययन है जिसका उद्देश्य भारतीय शरीर के आकार के हिसाब से बेहतर ढंग से डिजाइन किए गए मानकीकृत माप स्थापित करना हैं।द

खुदरा परिधानों के लिए मानकीकृत माप को अपनाने से पहले उद्योग को किसी भी आवश्यक बदलाव के बारे में प्रतिक्रिया देने के लिए मानवशास्त्रीय डेटा का एक सेट सार्वजनिक जानकारी में लाया जाएगा। वर्तमान में, भारत में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांड कपड़ों के लिए अमेरिका या ब्रिटेन के माप का उपयोग करते हैं, जिनमें 'छोटे', 'मध्यम' और 'बड़े' आकार होते हैं। हालांकि, पश्चिमी शरीर के प्रकार.. ऊंचाई, वजन या शरीर के अंगों के विशिष्ट माप के मामले में

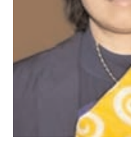

भारतीयों से भिन्न होते हैं, जो कभी-कभी फिटिंग ठीक नहीं बैठने का कारण बनते हैं। कपड़ा मंत्रालय ने भारतीय परिधान क्षेत्र के लिए मानक शरीर के आकार विकसित करने के लिए इंडियासाइज परियोजना को मंजूरी दी है, ताकि इस बारे में मौजूदा असमानताओं और विसंगतियों को दूर किया जा सके। कपड़ा सचिव ने कहा, ''इंडियासाइज़ मूल रूप से एक वैज्ञानिक अध्ययन है, इसलिए वह उद्योग के साथ एक मास्टरक्लास करेंगी। वह उद्योग के साथ कई सत्र करेंगी। वह उद्योग के लिए मानवशास्त्रीय आंकड़ों का एक निश्चित सेट भी जारी करेंगी, ताकि उद्योग को पता चल सके कि वे किस तरह का बदलाव और किस तरह की बारीकियां चाहते हैं।'' सचिव भारत टेक्स 2025 ऐप व वेबसाइट के अनावरण के अवसर बात रख रही थीं। भारत टेक्स 2025, 14-17 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। यह विशाल प्रदर्शनी है जिसमें 5,000 से अधिक प्रदर्शकों, 120 देशों के 6,000 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और 1,20,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश में तेलंगाना की तर्ज पर जाति जनगणना कराए सरकार : वाईएस शर्मिला

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को मांग की कि राज्य में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार तेलंगाना की तर्ज पर जाति जनगणना कराए। तेलंगाना के जाति सर्वेक्षण को पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल करार देते हुए शर्मिला ने इसे ऐतिहासिक कदम और देश के भविष्य के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूरदर्शिता का उदाहरण बताया। शर्मिला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारे राज्य (आंध्र प्रदेश) में भी जाति जनगणना कराई जानी चाहिए। 5.5 करोड़ की जनसंख्या में पिछड़े वर्गों की संख्या का पता लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन कमजोर वर्गों की भी सही गिनती होनी चाहिए, जो जातिगत भेदभाव का शिकार हैं।''

मवेशियों के परिवहन के दौरान पर्याप्त देखभाल सुनिश्चित करें : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने मवेशियों के परिवहन के लिए लंबी यात्रा के दौरान उचित स्थान की आवश्यकता और प्रमाणीकरण समेत अन्य उपायों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मवेशियों के परिवहनकर्ताओं को परिवहन के दौरान उनके खड़े होने, लेटने और घूमने के लिए पर्याप्त स्थान सुनिश्चित करना होगा। न्यायमूर्ति एम. निर्मल कुमार ने हाल ही में अब्बास मंथिरी और दो अन्य द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए यह निर्देश दिया। दायर याचिका में चेंगलपट्टू न्यायिक मजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें 117 मवेशियों को अंतरिम रूप से सौंपने से इनकार कर दिया गया, जिनकी तस्करी की जा रही थी।

इन मवेशियों को कथित तौर पर काटे जाने के लिए ट्रकों में केरल ले जाया जा रहा था और उन्हें गोशालाओं में भेज दिया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस मामले में याचिकाकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में मवेशियों को अमानवीय तरीके से और कंटेनर लॉरियों में ले जाया गया था।

रिकॉर्ड से पता चलता है कि मवेशियों को भोजन, पानी और खड़े होने के लिए पर्याप्त जगह जैसी बुनियादी सुविधाएं दिए बिना आंध्र प्रदेश से केरल ले जाया गया था। शुरुआती जांच और पशु चिकित्सक की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि मवेशियों को बुरे तरीके से ले जाया गया था, उनके शरीर पर मिर्च छिड़की गई और उन्हें जगाए रखने के लिए उनकी आंखों में भी मिर्च डाली गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि मवेशियों की उम्र 10 साल से कम थी, इसलिए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और पशु परिवहन नियम, 1978 का स्पष्ट उल्लंघन हुआ।

न्यायाधीश ने कहा कि पशु परिवहन नियम, 1978 के नियम 47 से 56 में निर्दिष्ट किया गया है कि किसी भी माल वाहन में छह से अधिक मवेशी नहीं ले जाए जा सकते और इसके लिए एक योग्य पशु चिकित्सक द्वारा वैध प्रमाण पत्र होना चाहिए, जिससे साफ हो कि पशु यात्रा के लिए स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि उसमें एक लेबल लगा होना चाहिए जिसमें भेजने वाले और प्राप्त करने वाले का नाम और पता दर्शाया गया हो। न्यायाधीश ने कहा, इस मामले में किसी भी नियम का अनुपालन नहीं किया गया है और याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज करने में निचली अदालत का निर्णय सही था, जिसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

न्यायाधीश ने कहा कि संबंधित गोशालाओं में मवेशियों को रखने की वर्तमान व्यवस्था तब तक जारी रहेगी जब तक मुकदमा पूरा नहीं हो जाता और मवेशियों की अभिरक्षा सौंपने संबंधी अंतिम आदेश पारित नहीं हो जाता।

टाटा स्टील शतरंज चैंपियन प्रज्ञाननंदा का स्वदेश पहुंचने पर जोरदार स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नीदरलैंड में टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले आर प्रज्ञाननंदा का मंगलवार को यहां स्वदेश लौटने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। तमिलनाडु सरकार और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारियों के साथ-साथ सैकड़ों प्रशंसक हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे थे।

चेन्नई के 19 वर्षीय खिलाड़ी प्रज्ञाननंदा ने रविवार को मौजूदा विश्व चैंपियन और हमवतन डी गुकेश को हराकर पहली बार टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट का ताज अपने नाम किया, जो उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रज्ञाननंदा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि यह टूर्नामेंट जीतने में सफल रहा। यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा कि टाईब्रेकर भारत, तमिलनाडु के दो खिलाड़ियों के बीच खेला गया। हम दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें (डी गुकेश) भी बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने वास्तव में अच्छा खेल दिखाया। प्रज्ञाननंदा और गुकेश दोनों अपने 13वें दौर के मुकाबले में हारने के बाद 8.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। इसके बाद टाईब्रेकर का सहारा लिया गया जिसमें प्रज्ञाननंदा ने 2-1 से जीत हासिल की। विश्वनाथन आनंद के बाद प्रज्ञाननंदा टाटा स्टील शतरंज खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने। आनंद 2003, 2004 और 2006 में इस टूर्नामेंट में विजेता रहे थे। तब इसे कोरस शतरंज टूर्नामेंट के नाम से जाना जाता था।

केरल के माकपा नेता ने एआई पर अपना बयान वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थोडुपुझा। सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने मंगलवार को अपने उस बयान को वापस ले लिया कि कृत्रिम मेधा (एआई) समाजवाद का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने पूर्व के बयान से पलटते हुए कहा कि एआई के परिणामस्वरूप कॉरपोरेट समाज में धन का संचय होगा और दुनिया में बेरोजगारी में वृद्धि होगी।

गोविंदन ने यहां एक पार्टी सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूछा कि अगर धन कुछ हाथों में केंद्रित हो जाए, 60 प्रतिशत से अधिक लोग बेरोजगार हो जाएं और उनकी क्रय शक्ति पूरी तरह खत्म हो जाए तो देश में क्या स्थिति होगी। उन्होंने कहा कि एआई तकनीक का दुनिया भर में व्यापक रूप से उपयोग शुरू हो गया है और इसके उत्पादों का स्वामित्व निजी क्षेत्र के पास है। मार्क्सवादी नेता ने कहा कि चीन जैसे देश प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्पन्न धन को कुछ हद तक देश की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाएंगे। गोविंदन ने कहा, लेकिन, पूंजीवादी समाज में, इस तरह से उत्पन्न पूरी संपत्ति कॉरपोरेट जगत के हाथों में जमा हो जाएगी। इसके परिणामस्वरूप तीव्र आंदोलन, बेरोजगारी और अन्य मुद्दे होंगे...इसमें कोई संदेह नहीं है।

उन्होंने कहा कि यदि धन के इस संकेंद्रण और शोषणकारी व्यवस्था को नष्ट नहीं किया गया, तो दुनिया भर में मानव जाति के आगे के विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। गोविंदन ने कुछ दिन पहले कन्नूर में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआई पर विरोधाभासी बयान देते हुए कहा था कि इससे समाजवाद का मार्ग प्रशस्त होगा।उन्होंने कथित तौर पर यह भी कहा था कि यह धारणा सही नहीं है कि एआई-प्रमुख दुनिया में मार्क्सवाद प्रासंगिकता खो देगा। मंगलवार को यहां पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में गोविंदन ने हालांकि दावा किया कि कृत्रिम मेधा पर उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

थिरुपरनकुंद्रम मंदिर क्षेत्र पुलिस गढ़ में तब्दील, हिंदू मुन्नानी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु का मनोरम पहाड़ी शहर थिरुपरनकुंद्रम, जहां भगवान सुब्रह्मण्यम का मंदिर स्थित है, मंगलवार को पुलिस गढ़ में तब्दील हो गया, क्योंकि मुदैरे जिला प्रशासन की ओर से लगाई गई निषेधाज्ञा के बाद 10 जिलों के चार हजार से अधिक पुलिस कर्मियों और अधिकारियों ने वहां मोर्चा संभाल लिया।

पुलिस ने पहाड़ी पर मांसाहारी भोजन खाने वाले लोगों के एक वर्ग के खिलाफ मंगलवार को आंदोलन की घोषणा करने वाले हिंदू मुन्नानी (हिंदू मोर्चा) के लगभग आठ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। हालांकि, पहाड़ी पर स्थित मंदिर भगवान सुब्रह्मण्यम (मुरुगन) को समर्पित है, लेकिन वहां सिकंदर बदुशा दरगाह भी मौजूद है। हाल ही में लोगों के एक समूह ने पहाड़ी पर कथितर रूप से मांसाहारी भोजन का सेवन किया, जिससे हिंदू श्रद्धालुओं में नाराजगी है। पुलिस ने बताया कि एहतियात के तौर पर हिंदू मुन्नानी के आठ सदस्यों को हिरासत में लिया गया है।

हिंदू मुन्नानी के एक नेता ने कहा कि मदुरै में निषेधाज्ञा लागू करने के जिला प्रशासन के फैसले को मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ में चुनौती दी गई है। हिंदू मुन्नानी के सदस्यों को हिरासत में लिए जाने और क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू किए जाने के फैसले की निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एच राजा ने कहा कि जब राष्ट्रीय एजेंसियां तमिलनाडु में छिपे आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में जुटी थीं, तब राज्य पुलिस ने हिंदू संगठनों के उन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, जो थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करना चाहते थे। उन्होंने कहा, यह स्थिति एक दिन बदल जाएगी।

आदेश को 'लोकतांत्रिक अधिकारों और श्रद्धालुओं की भावनाओं का दमन' करार देते हुए हिंदू मुन्नानी के प्रदेश अध्यक्ष कादेश्वर सुब्रमण्यम ने कहा कि उनका संगठन मदुरै की धरती से हिंदुओं के लिए स्वतंत्रता संग्राम शुरू करने में संकोच नहीं करेगा। सुब्रमण्यम ने कहा, अगर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को लगता है कि वह लोकतंत्र की आवाज और भक्तों की भावनाओं को बलपूर्वक दबा सकती है, तो हिंदू मुन्नानी एक बार फिर मुरुगन के भक्तों के समर्थन से प्रतिबंध को नजरअंदाज कर मदुरै की धरती पर हिंदुओं के लिए स्वतंत्रता संग्राम छेड़ेगा। सुब्रमण्यम ने पुलिस पर आरोप लगाया कि उसने कई लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों के उल्लंघन का झूठा मामला दर्ज किया है।

पलक्कड़ में शराब संयंत्र के विरोध के पीछे कर्नाटक की शराब 'लॉबी' का हाथ : माकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और उसके नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने मंगलवार को कहा कि पलक्कड़ जिले में शराब उत्पादन इकाई के विरोध के पीछे पड़ोसी कर्नाटक की एक शराब 'लॉबी' का हाथ है।

पलक्कड़ में इकाई की स्थापना की अनुमति देने के सरकार के फैसले को उचित ठहराते हुए एलडीएफ के संयोजक टीपी रामकृष्णन ने कहा कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में शराब बनाने के लिए पहले से ही एक नीति मौजूद है।

माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने कहा कि शराब इकाई स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासित पड़ोसी राज्य कर्नाटक की शराब 'लॉबी' इसके खिलाफ है। गोविंदन ने इडुक्की में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, उन्हें (लॉबी को) डर है कि शराब इकाई में होने वाले उत्पादन से केरल के बाजार उनकी हिस्सेदारी प्रभावित होगी। राज्य मंत्रिमंडल ने मौजूदा दिशा-निर्देशों और शर्तों के अनुपालन की शर्त पर आबकारी संयंत्र स्थापित करने के 'ओएसिस कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड' के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

केरल में विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शुरू से ही इस परियोजना के खिलाफ रहे हैं। उनका दावा है कि इससे पलक्कड़ जिले के कांचीकोड के एलाप्पुल्ली गांव में पीने के पानी की कमी हो जाएगी। विपक्ष का दावा है कि शराब उत्पादन इकाई को प्रति दिन कम से कम पांच लाख लीटर पानी की आवश्यकता पड़ने की संभावना है, जो कि एलाप्पुल्ली जैसे पानी की कमी वाले गांव वहन नहीं कर सकते। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि ओएसिस को शराब संयंत्र स्थापित करने की अनुमति देने में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं।

गो तस्करों को देखते ही गोली मारने का आदेश दूंगा : वैद्य

कारवार। उत्तर कन्नड़ जिले में गाय चोरी की घटनाओं के बीच जिले के प्रभारी मंत्री मनकल एस. वैद्य ने चेतावनी दी है कि गो तस्करी में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों को खुलेआम सड़कों या चौराहे पर गोली मार दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह जिले में इस तरह की गतिविधियों को जारी नहीं रहने देंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन गायों और गो पालकों के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

वैद्य का यह बयान हाल में होन्नावर के पास एक गर्भवती गाय के वध की घटना को लेकर फैले आक्रोश के बाद आया है। उन्होंने कहा, गाय चोरी की घटनाएं कई वर्षों से हो रही हैं। मैंने एसपी (पुलिस अधीक्षक) से कहा है कि यह रुकना चाहिए और किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होना चाहिए। यह गलत है। हम गाय की पूजा करते हैं। हम इस पशु को प्यार से पालते हैं। हम इसका दूध पीकर बड़े हुए हैं।

मंत्री ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि उन्होंने पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो भी इस अपराध में शामिल पाया जाए, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा, कुछ मामलों में गिरफ्तारी हुई है। अगर ऐसी घटनाएं जारी रहीं, तो... शायद मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए, लेकिन मैं सुनिश्चित करूंगा कि आरोपियों को सड़क पर या चौक पर गोली मार दी जाए। काम करिए, कमाइए और खाइए। हमारे जिले में रोजगार के बहुत विकल्प हैं। लेकिन हम किसी भी कीमत पर गो तस्करी में शामिल लोगों का समर्थन नहीं करेंगे।

मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में थी। मंत्री ने इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरने के लिए विपक्षी दल पर निशाना साधा और सत्ता में रहने के दौरान इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रहने का आरोप लगाया।

ईडी ने पीएमएलए मामले में चेन्नई आधारित कंपनी की 1,000 करोड़ रु. की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने हाल में चेन्नई से संचालित एक कंपनी के खिलाफ तलाशी के बाद 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस कंपनी पर छत्तीसगढ़ में धोखाधड़ी से कोयला ब्लॉक हासिल करने का आरोप है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि आरोपी कंपनी-आरकेएम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड (आरकेएमपीपीएल) और संबंधित व्यक्तियों अंडाल अरुमुगम, एस अरुमुगम तथा अन्य के परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की गई।

इसने कहा कि धनशोधन का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए एक मामले से संबंधित है, जिसमें आरोपियों पर छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोयला ब्लॉक धोखाधड़ी से प्राप्त करने का आरोप है। संबंधित कोयला ब्लॉक बिजली क्षेत्र के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा आवंटित किया गया था। टिप्पणी के लिए कंपनी या इसके प्रवर्तकों से संपर्क नहीं किया जा सका। आरोप है कि आरकेएमपीपीएल ने कोयला ब्लॉक आवंटन के आधार पर पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) से ऋण प्राप्त किया था और इस कोष का 3,800 करोड़ रुपये का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अधिक मूल्य पर संयंत्र और मशीनरी की खरीद के लिए आरकेएमपीपीएल द्वारा नियंत्रित एमआईपीपी नामक एक विदेशी इकाई को स्थानांतरित कर दिया गया।

एजेंसी ने कहा कि कोयला ब्लॉक आवंटन के बाद आरकेएमपीपीएल ने 240 रुपये प्रति शेयर के प्रीमियम पर अपने 26 प्रतिशत शेयर मलेशिया आधारित मुदजया कॉर्पोरेशन बीएचडी को और 10.95 प्रतिशत शेयर एनर्क इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड को सौंप दिए।

चेन्नई में घने कोहरे के कारण विमानों की आवाजाही बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे पर मंगलवार को सुबह घने कोहरे के कारण विमानों का आगमन और प्रस्थान बाधित हुआ, जिसके कारण कुछ अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं का मार्ग परिवर्तित कर उन्हें निकटवर्ती शहर भेजना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमानों के परिचालन में सुबह छह-सात बजे के बीच देरी हुई और मस्कट एवं दुबई जैसे स्थानों से आने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों का मार्ग परिवर्तित कर उन्हें पास के तिरुपति और हैदराबाद हवाई अड्डों पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि कुछ घरेलू उड़ानों के परिचालन में भी मामूली देरी हुई।

केंद्रीय मंत्री कुरियन ने केरल सरकार पर निशाना साधा

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को कहा कि केरल पूरी तरह केंद्र सरकार की सहायता पर निर्भर है और राज्य के पास ऐसी कोई परियोजना नहीं है, जिसे वह अपना कह सके।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) केंद्र सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाकर अपनी विफलताओं को छिपाने की 'संयुक्त रणनीति' अपना रहे हैं।

केंद्रीय मत्स्य और अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री कुरियन ने कहा कि इस प्रयास का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के हित में जो प्रयास किये जा रहे हैं उन्हें छिपाना है। इसीलिये एलडीएफ और यूडीएफ दोनों मिलकर ऐसा विमर्श बना रहे हैं कि केंद्र सरकार राज्य को कुछ नहीं दे रही है।

मलयालम समाचार चैनल एशियानेट न्यूज से बातचीत में मंत्री ने कहा कि यह उनका कर्तव्य है कि वे इस झूठे आख्यान को नष्ट करें कि प्रधानमंत्री मोदी राज्य को कुछ नहीं दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया, केरल केवल केंद्र की सहायता पर निर्भर है। यदि पिछले 10 वर्षों में कोई विकास (राज्य में) हुआ है तो यह प्रधानमंत्री मोदी के कारण हुआ...केरल में एक भी ऐसी परियोजना नहीं है जो मोदी से नहीं मिली हो।

साथ ही उन्होंने कहा कि एक भी ऐसी परियोजना नहीं है जिसे राज्य अपना कह सके। उन्होंने कहा कि केरल सरकार केंद्र द्वारा आवंटित धन को अन्यत्र स्थानांतरित करने के बाद अपने कर्मचारियों को मासिक वेतन दे पा रही है। मंत्री ने कहा कि यह धन विकास के लिए इस्तेमाल किया जाना है और उन्हें नहीं लगता कि यह (धन को अन्यत्र स्थानांतरित करना) अच्छा कदम है।

पद के लिए नहीं, पार्टी को शुद्ध करने के लिए लड़ रहे : यतनाल ने भाजपा में आंतरिक कलह पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आंतरिक कलह के बीच पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष पद से बीवाई विजयेंद्र को हटाने की मांग कर रहे विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने सोमवार को कहा कि उनकी लड़ाई किसी पद के लिए नहीं, बल्कि पार्टी को शुद्ध करने के लिए है। बीजापुर शहर से विधायक यतनाल ने भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विजयेंद्र तथा उनके पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा पर निशाना साधा। यतनाल के गुट के रमेश जारकीहोली (विधायक) और कुमार बंगारप्पा जैसे नेता विजयेंद्र के खिलाफ अपनी चिंताओं के संबंध में पार्टी आलाकमान को अवगत कराने के लिए नई दिल्ली में हैं। यतनाल के भी राष्ट्रीय राजधानी का दौरा करने की संभावना है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बंगारप्पा ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष से मुलाकात की, जबकि जारकीहोली ने नड्डा और कुछ अन्य नेताओं से मुलाकात की। यतनाल ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, सभी राष्ट्रीय नेताओं ने हमें बैठक के लिए समय दिया है, इसलिए चिंता न करें। क्या हम बिना किसी योजना के जाएंगे? क्या हम पागल हैं? विजयेंद्र जाएंगे, तो सब सुलझ जाएगा।

जारी संगठनात्मक चुनावों के बीच, विजयेंद्र ने सोमवार को प्रदेश इकाई का नेतृत्व जारी रखने के बारे में विश्वास व्यक्त किया था। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के नतीजे में 'सुखद अंत' की भी उम्मीद जताई।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यतनाल ने कहा, चुनाव होने दीजिए। लोकतंत्र है, हम पीछे नहीं हटेंगे। चुनाव का महत्व समझना चाहिए। हम पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने चीजें रखेंगे। विजयेंद्र को नवंबर 2023 में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। उनकी पदोन्नति से भाजपा में कई लोगों में नाराजगी है और कई वरिष्ठ नेताओं ने बार-बार उनके नेतृत्व एवं उनकी कार्यशैली के खिलाफ असंतोष व्यक्त किया है। शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र इस नाराजगी को दूर करने में असमर्थ रहे हैं।

कर्नाटक के निजी स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल मिला

कलबुर्गी। शहर के एक निजी स्कूल को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला जिसके बाद विद्यार्थियों को स्कूल से बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्कूल परिसर की गहन तलाशी ली गई लेकिन वहां कुछ भी संदिग्ध चीज नहीं मिली और यह महज अफवाह साबित हुई। कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस डी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कलबुर्गी शहर के एक निजी स्कूल को एक धमकी भरा ईमेल मिला। जैसे ही संस्थान ने हमें सूचित किया, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और विद्यार्थियों को बाहर निकाला। हमने तुरंत बम को निष्क्रिय करने वाले दस्ते को तैनात किया। गहन जांच के बाद पुष्टि हुई कि यह महज अफवाह थी। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। ईमेल के बारे में और जानकारी देते हुए शरणप्पा ने बताया कि इसके 'सब्जेक्ट' में स्कूल में 'आरडीएक्स' बम धमाके का उल्लेख किया गया था, लेकिन यह सब तमिल भाषा में लिखा गया था।

‘सूर्य नमस्कार’ भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने ‘सूर्य नमस्कार’ को भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा बताते हुए कहा है कि यह स्वास्थ्य के लिए वरदान है तथा मन एवं शरीर दोनों को तंदुरुस्त रखता है। बागड़े मंगलवार को क्रीड़ा भारती संगठन द्वारा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में सूर्य सप्तमी पर आयोजित सामूहिक ‘सूर्य नमस्कार’ कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में 108 साधकों ने एक साथ ‘सूर्य नमस्कार’ से जुड़ी योग क्रियाएं की। उन्होंने कहा कि योग की भारतीय परंपरा सूर्य नमस्कार से ही प्रारंभ होती है। यह योग के आगे के आसनों के लिए हमें तैयार करता है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार मनुष्य के भीतर की ऊर्जा का संधान कर तन और मन को स्वस्थ करता है।

उन्होंने प्रतिदिन हर व्यक्ति से स्वास्थ्य के लिए समय देने और ‘सूर्य नमस्कार’ करने का आह्वान किया। उन्होंने क्रीड़ा भारती को देश का महत्वपूर्ण संगठन बताते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ी इसकी गतिविधियां अनुकरणीय है। इस अवसर पर बागड़े ने क्रीड़ा भारती की स्मारिका खेल सृष्टि का भी लोकार्पण किया। उन्होंने इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन बच्चों को अपनी ओर से नकद इनाम देकर भी सम्मानित किया।

सरपंचों के हाथों में गांवों के विकास की बागडोर : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गरीब, किसान और पशुपालकों को मजबूती देकर ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और चौधरी चरण सिंह के ग्रामोदय के स्वप्न को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का फोकस गांवों के बुनियादी ढांचे के विकास, किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने पर है। शर्मा मंगलवार को सरपंच संघ राजस्थान द्वारा आयोजित पंचायतीराज सशक्तीकरण एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरपंचों के हाथों में गांवों के विकास की बागडोर होती है और समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के उद्धार में सरपंच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होता है। शर्मा ने कहा कि यदि उनकी इच्छाशक्ति मजबूत हो, दूरदृष्टि हो और लोगों का साथ हो तो गांवों का कायाकल्प किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि के रूप में सरपंचों के पास लोगो की सेवा का अवसर होता है और इसी सेवाभाव के साथ राजस्थान के प्रतिभाशाली और समर्पित सरपंच अपने गांवों को विकास की राह पर ले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सरपंच के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि आप लोगों को देखकर मेरा हृदय आज उसी भाव से भर उठा है, जब मैं सरपंच था। उन्होंने कहा कि मैं गांव की मिट्टी में ही पला-बढ़ा हूं और उसी मिट्टी की सोंधी खुशबू और चुनौतियों के बीच जिया हूं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में किसानों और पशुपालकों के लिए प्राथमिकता के साथ योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराना हमारी सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए पीएम-कुसुम योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है। किसान अपनी अनुपजाऊ भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा उत्पादक भी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के साथ ही मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 2 हजार रुपये के अतिरिक्त अनुदान का लाभ भी किसानों को दे रही है। अब तक हम 1,355 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को जमाबंदी, खसरा गिरदावरी और राजस्व रेकार्ड की प्रतियां ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा नामांतरण की प्रक्रिया को पेपरलेस किया गया है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना लागू की गई है। इसके तहत 24 हजार से अधिक गोपालक परिवारों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया गया है। पशुपालकों को निःशुल्क पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए हेल्पलाइन कॉल सेंटर सेवा 1962 शुरू की गई है। 536 मोबाइल वाहनों द्वारा 30 लाख पशुओं का उपचार किया गया है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतीराज के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। हमने राज्य बजट में बिना भेदभाव राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के गांवों के लिए बजट का प्रावधान किया। पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के मानदेय में 1 अप्रेल, 2024 से 10 प्रतिशत वृद्धि की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 371 ग्राम पंचायत भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया गया है। ग्रामीण सड़क तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए 200 विधान सभा क्षेत्रों में 1 हजार करोड़ रुपये की लागत से मिसिंग लिंक और नॉन पेचेबल सड़कों के 1 हजार 631 कार्य प्रारंभ कर 530 किलोमीटर लम्बाई के 309 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

आहुति

सवाई भोज की पावन धरा आसींद में स्थित भगवान देवनारायण मंदिर में मंगलवार को दर्शन कर यज्ञ कुंड में आहुति देकर आशीर्वाद प्राप्त करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

किसानों को मिलेगी डिजिटल पहचान, ऑनलाइन होगा रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को सशक्त करने के लिए डिजिटल रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। एग्रीस्टैक योजना में किसान रजिस्ट्री प्रोजेक्ट को आज से सम्पूर्ण राजस्थान में लागू किया जा रहा है । इस योजना के तहत राज्य के सभी जिलों में 5 फरवरी से 31 मार्च तक प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर तीन दिवसीय शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जहाँ किसानों की फार्मर आई.डी. बनाई जाएगी।

इन शिविरों में किसान जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित तिथियों को प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशु पालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभांवित किया जाएगा।

सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर तीन दिवसीय शिविरों का कार्यक्रम जिला कलक्टर द्वारा निर्धारित किया गया है जिसकी जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय, तहसील कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए एक पोर्टल भी बनाया गया है। इस पोर्टल थथथ.ठक्षषील.ठरक्षरींहरप.सेंी.ळप से आप अपने शिविर की तिथियों व स्थान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। शिविरों में किसान को रजिस्ट्रेशन होने पर एक एनरोलमेंट स्लिप दी जाएगी। जिसके 24 घंटे के अंदर किसान के मोबाइल नंबर पर फार्मर रजिस्ट्री मैसेज के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी।

किसान रजिस्ट्री, एग्रीस्टैक परियोजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की एक पहल है। कृषक विवरण, उसके द्वारा धारित कृषि भूमि का विवरण, प्रत्येक कृषि भूखण्ड के जीपीएस निर्देशांक, उस पर बोई गई फसलों का विवरण आदि को डिजिटल रूप में संकलित किया जाकर, प्रदेश के प्रत्येक किसान को 'आधार' आधारित एक 11 अंकों की एक यूनिक आईडी (विशिष्ट किसान आईडी) आवंटित की जाएगी, जिससे किसान डिजिटल रूप से अपनी पहचान प्रमाणित कर सकेंगे। इस हेतु मोबाइल एप/वेबसाइट द्वारा प्रदेश के समस्त कृषकों के स्वामित्व वाले सभी खसरों को सम्मिलित करते हुए कृषक के 'आधार' से लिंक कराया जाएगा, तत्पश्चात कृषक से ऑनलाइन सहमति प्राप्त करते हुए ई-हस्ताक्षर की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

भविष्य में प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर आईडी आवश्यक है। राज्य एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों को प्रदान करने के लिए फार्मर आईडी आवश्यक होगी। भविष्य में नामांतरणकरण एवं क्रय पंजीयन की प्रक्रिया में भी फार्मर आईडी आवश्यक होगी।

उदयपुर में युवक की हत्या : शव बोरे में बंद कर जंगल में फेंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में एक खौफ़नाक वारदात ने इलाके को दहला दिया। सोमवार को लखावली-सोनियारा के जंगल में एक युवक का शव बोरे में बंद पाया गया। यह शव साबिर उर्फ सोनू (26) का था, जो चार दिन पहले लापता हो गया था। शव की हालत देखकर यह साफ हो गया कि युवक की हत्या की गई है, और सिर पर धारदार हथियार से वार कर उसे मौत के घाट उतारा गया।

शव मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 29 जनवरी को साबिर के घर से गायब होने के बाद, जब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, तब उन्होंने खुद तलाश शुरू की। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मामले में लापरवाही बरती और उन्हें समय पर मदद नहीं दी।

साबिर के पिता, आजाद हुसैन, ने गुमशुदगी की रिपोर्ट 30 जनवरी को सुखेर थाने में दी थी, लेकिन पुलिस ने उस पर कार्रवाई में कोई तत्परता नहीं दिखाई। अंततः, 2 फरवरी को जंगल में मिले शव ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया। शव बोरे में बंद था, और मृतक के चेहरे से खून बह रहा था, जो यह बताता था कि हत्या के वक्त बहुत बर्बरता की गई थी। परिजनों ने इस हत्या के पीछे साबिर के कुछ परिचितों पर शक जताया है, जिनमें सदाकत और राजू खटीक का नाम शामिल है। उन्होंने पुलिस को नामजद रिपोर्ट दी है, लेकिन मामले की गहराई से जांच की मांग की है।

मृतक के शव को जब मुर्दाघर लाया गया, तो वहां परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। वे पुलिस की निष्क्रियता को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस हंगामे को देखकर डिप्टी कैलाशचंद्र और हाथीपोल थानाधिकारी योगेश व्यास मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को शांत कराने की कोशिश की, और मामले की जांच को और तेज करने का आश्वासन दिया।

यह मामला अब एक मिस्ट्री बन चुका है, जिसमें हत्या के कारणों और दोषियों की पहचान के लिए पुलिस को गहरी जांच की जरूरत है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या सच में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का रवैया सख्त था, या फिर लापरवाही की वजह से यह हत्या जैसे गंभीर अपराध को अंजाम दिया गया?

अवैध शराब तस्करी के मामले में 10 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने सीआईए रोहतक टीम की मदद से लाखों रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा से गुजरात तस्करी करने के मामले में 10 सालों से फरार चल रहे आरोपी ट्रक मालिक राजकुमार पुत्र जगदीश निवासी करोथा जिला रोहतक हरियाणा को उसके गांव से दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है। बांसवाड़ा जिले से 20 हजार रुपये इनामी उक्त आरोपी को जिले की कोतवाली थाना पुलिस को सौंप दिया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने वांछित आरोपियों, गैंगस्टर्स, संगठित गिरोहों के बारे में आसूचना संकलन कर बदमाशो की धरपकड़ के लिए उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शर्मा के सुपरविजन में पुलिस मुख्यालय से एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की विभिन्न टीमों को प्रदेश के अलग-अलग शहरों में रवाना किया गया है। एडीजी एमएन ने बताया कि बांसवाड़ा जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने 19 मार्च 2015 को नाकाबंदी तोड़कर भागे ट्रक को दाहोद लिंक रोड पर रोक लाखों रुपये कीमत की हरियाणा निर्मित अवैध शराब के 500 कार्टन व साबुन व सर्फ के 800 कार्टन जप्त कर मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। आरोपी फर्जी सॉप फैक्ट्री व ट्रांसपोर्ट कम्पनी के बिल और बिल्टी की आड़ में हरियाणा निर्मित अवैध शराब गुजरात तस्करी कर ले जा रहे थे।

वर्तमान विधानसभा सत्र में अधिकांश कार्य हो रहा पेपरलेस : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी के नवाचारों के माध्यम से राजस्थान विधानसभा को देश की एक श्रेष्ठ विधानसभा बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में जारी विधानसभा सत्र के दौरान इन नवाचारों का सकारात्मक असर देखने को मिला है। अगले सत्र से विधानसभा के कामकाज पूरी तरह पेपर लेस कर दिए जाएंगे। यह बात राज्य विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने उदयपुर प्रवास के दौरान मंगलवार को सर्किट हाउस में मीडिया के साथ चर्चा के दौरान कही।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विधानसभा की सभी 200 सीटों पर आईपैड टैबलेट लगाए गए हैं। सदस्यों को उनके उपयोग के बारे में विधिवत प्रशिक्षण दिया गया है। वर्तमान सत्र का अधिकांश कार्य इन्हीं के माध्यम से ऑनलाइन किया जा रहा है। सदन में 12 टेक्नीशियन तैनात किए गए हैं जो सदस्यों को किसी भी प्रकार की तकनीकी मदद के लिए तत्पर रहते हैं। प्रयास किये जा रहे हैं कि सभी सदस्य ऑनलाइन कार्यप्रणाली में प्रवीण हो जाए एवं पूरा सदन पेपरलेस तरीके से चलने लगे। अभी तक की प्रगति को देखते हुए अगले सत्र में विधानसभा के कार्य शत प्रतिशत पेपरलेस हो जाने की उम्मीद है। सर्किट हाउस में पूर्व उप महापौर पारस सिंघवी, समाजसेवी मांगीलाल जोशी, गजपाल सिंह, पुष्कर तेली सहित कई गणमान्य लोगों ने विधानसभाध्यक्ष का स्वागत किया।

देवनानी ने कहा कि पेपरलेस व्यवस्था से सदस्यों को काफी सुविधा हो रही है एवं समय की बचत हो रही है। सदस्यों को अपने प्रश्नोंके ऑनलाइन उत्तर मिल जाने से वे सीधे ही पूरक प्रश्न कर रहे हैं इससे विधानसभा की उत्पादकता में वृद्धि हो रही है। इसके अलावा सदस्यों को दो तीन दिन की बजाय उसी दिन शाम को कार्यवाही का फुटेज उपलब्ध करवाया जा रहा है।

देवनानी ने कहा कि इस बात के पूरे प्रयास किया जा रहे हैं की विधानसभा सदस्यों द्वारा पटल पर रखे गए सभी प्रश्नों के उत्तर समय पर मिल सके। उच्चाधिकारियों को इस बात से अवगत कराने के पश्चात पूर्ववर्ती विधानसभाओं के अनुत्तरित पांच हजार प्रश्नों में से अब सिर्फ बारह सौ प्रश्नों के उत्तर आना बाकी रह गए हैं। पिछले बजट में पटल पर रखे गए दस हजार में से नौ हजार दो सौ पचास प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हुए जो कि लगभग 92 प्रतिशत हैं। जल्द ही यह आंकड़ा 95ः तक पहुंच जाएगा। अब ध्यान आकर्षण प्रस्ताव एवं याचिका आदि के उत्तर भी प्राप्त होने लगे हैं।

मुलाकात राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को राजभवन में मास्टर दीनानाथ मंगेशकर महाविद्यालय, लातूर के विद्यार्थियों ने प्रो. सचिन उत्तम राव के नेतृत्व में मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद किया और राजस्थान प्रवास के उनके अनुभव सुने।

सेना प्रमुख के बयान को राहुल गांधी ने गलत तरीके से संदर्भित किया : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर सेना प्रमुख के बयान को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। गांधी ने सोमवार को लोकसभा में अपने संबोधन में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा, ''हमारे सेना प्रमुख ने कहा है कि चीनी हमारे क्षेत्र के अंदर हैं।'' सिंह ने 'एक्स' पर कहा, ''राहुल गांधी ने तीन फरवरी को संसद में अपने भाषण में भारत-चीन सीमा पर स्थिति को लेकर सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठे आरोप लगाए।''

रक्षा मंत्री ने कहा, ''सेना प्रमुख की टिप्पणी केवल दोनों पक्षों द्वारा पारंपरिक गश्त में व्यवधान का संदर्भ देती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल में सेना को पीछे हटाने की प्रक्रिया के तहत इन गतिविधियों को उनके पारंपरिक स्वरूप में बहाल कर दिया गया है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने संसद में इन विवरणों को साझा किया है। सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने सेना प्रमुख का हवाला देते हुए जो शब्द कहे हैं, वह उन्होंने कभी नहीं कहे। उन्होंने कहा, ''यह बहुत अफसोस की बात है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय हित के मामलों पर गैरजिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं।'' उन्होंने कहा कि अगर चीन ने भारत के किसी क्षेत्र पर कब्जा किया है तो वह 1962 के युद्ध के परिणामस्वरूप अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किलोमीटर और 1963 में पाकिस्तान द्वारा चीन को अवैध रूप से दिया गया 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है। सिंह ने कहा, ''राहुल गांधी को हमारे इतिहास के इस चरण पर आत्मविश्लेषण करना चाहिए।''

स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार आवश्यक : आनंदीबेन पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार आवश्यक है। राजभवन द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पटेल की प्रेरणा से मंगलवार को राजभवन में 'श्री अन्न' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा, स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार आवश्यक है और इस तरह की प्रतियोगिताएं मोटा अनाज जैसे पारंपरिक अनाजों को आहार में पुनः शामिल करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम हैं।

प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजभवन के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता को वृद्धावस्था, बाल्यावस्था और गर्भावस्था इन तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था। प्रतिभागियों को इन वर्गों के अनुसार मिलेट आधारित पौष्टिक और संतुलित आहार तैयार करने का अवसर दिया गया। राज्यपाल ने प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रतिभागियों से संवाद किया, उनके द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों का अवलोकन किया तथा उनके पोषक तत्वों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने कहा, बाल्यावस्था, गर्भावस्था और वृद्धावस्था इन तीनों अवस्थाओं में पोषण की अलग-अलग आवश्यकताएं होती हैं, जिन्हें समझना और उसके अनुसार आहार निर्धारित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को इस विषय पर जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे न केवल अपने परिवार में बल्कि समाज में भी इस ज्ञान का प्रसार कर सकें। पटेल ने यह भी बताया, गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को आयरन, फोलिक एसिड और कैल्शियम से भरपूर आहार लेना चाहिए जबकि बच्चों के लिए प्रोटीन और ऊर्जा युक्त भोजन तथा वृद्धजनों के लिए हल्का, सुपाच्य और पोषक तत्वों से युक्त भोजन आवश्यक होता है।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों में 'चाइल्ड साइकोलॉजी' (बाल मनोविज्ञान) को भी पढ़ाया जाना चाहिए, जिससे छात्राओं को बाल विकास और उनके पोषण संबंधी आवश्यकताओं की गहरी समझ मिल सके। उन्होंने इस विषय पर संवाद, परिचर्चा और पेंटिंग प्रतियोगिता जैसे आयोजनों की भी आवश्यकता पर बल दिया, ताकि युवा पीढ़ी में इस विषय को लेकर रुचि और जागरूकता उत्पन्न हो। राज्यपाल ने कहा, इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य केवल भोजन बनाना नहीं था, बल्कि यह समझ विकसित करना था कि विभिन्न जीवन अवस्थाओं में पोषण किस प्रकार प्रभावी भूमिका निभाता है।

महाकुंभ में और बड़ा हादसा चाहते थे खरगे, अखिलेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग (अखिलेश और खरगे) व कुछ सनातन विरोध तत्व चाहते थे कि महाकुंभ में और बड़ा हादसा हो।

मुख्यमंत्री का यह बयान खरगे और यादव द्वारा लोकसभा में संगम में 29 जनवरी को घटी घटना के संबंध में दिए गए बयान के जवाब में आया है। महाकुंभ में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 लोग घायल हुए थे। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में कहा, जहां एक ओर पूरा देश और दुनिया सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन का साक्षी बनकर गौरव की अनुभूति कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सनातन धर्म के खिलाफ सुपारी लेकर षड़यंत्र करने वाले तत्वों द्वारा लगातार शरारत पर शरारत करते हुए झूठ व असत्य के नित नए प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ये लोग (अखिलेश और खरगे) कुछ सनातन विरोध तत्व चाहते थे कि महाकुंभ में और बड़ा हादसा हो। योगी ने कहा, देश की संसद में मल्लिकार्जुन खरगे और अखिलेश यादव का बयान इस ओर सबका ध्यान आकर्षित करता है। ये दोनों वक्तव्य ना केवल इनके सनातन धर्म विरोधी चरित्र को उजागर करते हैं बल्कि इनकी उस गिद्ध दृष्टि की ओर भी सबका ध्यान आकर्षित करता है, जो लगातार इस महाकुंभ के खिलाफ पहले दिन से दुष्प्रचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इनका यह बयान न केवल सनातन धर्म पर प्रहार है, बल्कि निंदनीय और शर्मनाक भी है।

राहुल गांधी ने भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है: राजकुमार चाहर

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा के सांसद राजकुमार चाहर ने मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ''भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है''। उन्होंने सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राहुल गांधी को सोमवार को अपने भाषण में की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। चाहर ने आरोप लगाया, ''देश को बदनाम करने का ठेका राहुल गांधी ने ले रखा है। देश के बाहर जाते हैं तो वह भारत को अपमानित करते हैं और संसद में बोलते हैं तो भी भारत को बदनाम करते हैं।'' उन्होंने कहा कि लगता था कि नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी में सुधार आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि सोमवार को निचले सदन में अपने भाषण में राहुल गांधी ने 34 बार चीन का नाम लिया।

ग्रामीण इलाकों में गरीबी, बेरोजगारी के कारण लोग महानगरों की ओर पलायन कर रहे : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि गरीबी और बेरोजगारी के कारण बहुत से लोग ग्रामीण इलाकों से दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु जैसे महानगरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोग शहरी इलाकों की ओर इसलिए भी पलायन कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपनी कृषि उपज का उचित दाम नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''बेरोजगारी और गरीबी के कारण ग्रामीण भारत से शहरी भारत की ओर बहुत अधिक पलायन हो रहा है। यही कारण है कि आज हम दिल्ली, मुंबई, कोलकाता चेन्नई और बेंगलूरु जैसे महानगरों में बहुत सारी समस्याएं देख रहे हैं।''

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारत में 'फ्लेक्स इंजन' वाले वाहन आ रहे हैं और देश में एथनॉल पंप खोले जा रहे हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ''इस क्षेत्र में काम करके हम कृषि को सहायता दे सकते हैं... पहले हम किसानों को 'अन्नदाता' कहते थे, लेकिन हमारी सरकार ने किसानों को 'ऊर्जादाता' भी बना दिया है।''

हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताते हुए गडकरी ने कहा, ''हम हाइड्रोजन ईंधन का बड़ा निर्यातक बनना चाहते हैं।''

दो बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गये, वापस भेजे गये : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि असम पुलिस ने अवैध रूप से भारत में घुसने की कोशिश करते हुए दो बांग्लादेशी नागरिकों को राज्य के श्रीभूमि जिले में पकड़ा और उन्हें पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंप दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किसी भी घुसपैठिए को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। श्रीभूमि पुलिस ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा और उन्हें सीमा पार वापस भेज दिया।''

घुसपैठियों की पहचान मुहीदा बीबी और मोहम्मद कौसर के रूप में हुई है। विश्व शर्मा ने कहा, हम असम में किसी भी घुसपैठिए को प्रवेश करने नहीं देंगे! पिछले साल पड़ोसी देश में अशांति भड़कने के बाद से पूर्वोत्तर में 1,885 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है। अब तक असम में 220 से अधिक घुसपैठियों को पकड़ा गया है और वापस भेजा गया है।

बिहार सरकार ने वर्षों से खाली पड़े 7,000 पदों को भरा: नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार ने कानूनी विवादों के कारण वर्षों से खाली पड़े विभिन्न विभागों में करीब 7,000 पदों को भरा है। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह में कुल 6,341 कनिष्ठ अभियनताओं (जेई) को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

इन अधिकारियों को आठ विभागों में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा, इसी समारोह में श्रम विभाग में तैनात किए जाने वाले 496 अनुदेशकों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। प्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने पत्रकारों से कहा, इनमें से ज्यादातर पदों के लिए बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने 2019 में ही विज्ञापन जारी कर दिया था। लेकिन कई अभ्यर्थियों ने पटना उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी थी। भर्ती को चुनौती देने वाले अभ्यर्थियों में पहले से ही संविदा के आधार पर सेवाएं देने वाले और गैर-सरकारी संस्थानों से डिप्लोमा प्राप्त लोग शामिल हैं। मंत्री ने कहा, नोडल विभाग के तौर पर हमने रिक्त सरकारी पदों को भरने के मुख्यमंत्री के संकल्प के रास्ते में आने वाली बाधाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री की सलाह पर गतिरोध को हल करने के लिए एक प्रस्ताव शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसने भर्ती प्रक्रिया को अपनी मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री जनता से कट चुके हैं, सवालों के जवाब नहीं देकर चुनावी भाषण दिया : विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को 'चुनावी भाषण' करार दिया और आरोप लगाया कि उन्होंने विपक्ष द्वारा उठाए गए किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी जनता और उनकी जरूरतों से कट चुके हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, ''मुझे प्रधानमंत्री के भाषण से हैरानी हुई क्योंकि यह एक चुनावी भाषण था। कल दिल्ली में चुनाव है। उन्होंने सरकार के कामों की सूची बताई है। हम सभी जानते हैं कि विपक्ष ने कई आलोचनाएं की थीं, लेकिन प्रधानमंत्री ने इनका जवाब नहीं दिया।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को राजनीतिक टिप्पणी से बचना चाहिए था क्योंकि यह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा थी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में महाकुंभ की भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख नहीं जताया गया, जो अफसोस की बात है। उन्होंने कहा, ''बहुत अफसोस की बात है कि कुंभ में इतनी बड़ी घटना घट गई। सरकार पहले मरने वालों के आंकड़े छिपा रही थी। आज को शोक भी नहीं जताया गया।'' उन्होंने कहा, ''इस बात की चिंता है कि देश खिलौने बनाएगा, लेकिन इतने लोगों की जान गई फिर भी कोई दुख नहीं जताया गया।'' यादव ने दावा किया कि इस सरकार को लोगों की जान जाने की कोई चिंता नहीं है।

फतेहपुर में खड़ी मालगाड़ी से टकराई अन्य मालगाड़ी, दो लोको पायलट मामूली रूप से घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में खागा के पास मंगलवार सुबह एक खड़ी मालगाड़ी से अन्य मालगाड़ी के टकराने की दुर्घटना में दो लोको पायलट को मामूली चोट आई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि टक्कर के कारण गार्ड का डिब्बा और इंजन पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब छह बजे 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' पर हुआ। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी के अनुसार, यह मामला 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' के अन्तर्गत आता है।

'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' के सहायक महाप्रबंधक मनु प्रकाश दुबे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पीछे से आ रही मालगाड़ी में लोको पायलट शिवशंकर यादव और दूसरे सहायक लोको पायलट अनुज राज मौजूद थे। संभवत: लोको पायलट को झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि पीछे वाली मालगाड़ी के दोनो लोको पायलट को मामूली चोटे आई और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

एजीएम दुबे ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में क्रेन की मदद से दोनो मालगाड़ियों को पटरी से हटा दिया गया और यातायात बहाल कर दिया गया। उन्होंने बताया कि तकनीकी अधिकारियों का दल मामले की जांच में जुटा है। प्रयागराज रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) प्रेम कुमार गौतम ने बताया कि लोको पायलट को संभवत: झपकी आ गई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ होगा।

कुंभ में जाने वाले नेताओं और पैसे वालों को डुबकी लगाकर मोक्ष में चले जाना चाहिए : पप्पू यादव

नई दिल्ली/भाषा। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव ने एक कथावाचक के बयान का हवाला देते हुए सोमवार को लोकसभा में विवादित टिप्पणी की कि ''ऐसे बाबाओं तथा महाकुंभ में जाने वाले नेताओं एवं पैसे वाले लोगों को डुबकी लगाकर मर जाना चाहिए और मोक्ष में चले जाना चाहिए।'' उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की।

यादव ने कहा, ''एक बाबा ने कहा है कि जो कुंभ में मरे हैं उन्हें मोक्ष मिल गया। मैं चाहता हूं कि बाबा और नागा और जो नेता और पैसे वाले लोग वहां जाते हैं उनको डुबकी लगाकर मर जाना चाहिए ताकि इन लोगों का कल्याण हो जाए और ये मोक्ष में चले जाए। मैं चाहता हूं कि ऐसे बाबाओं को मोक्ष में चले जाना चाहिए।'' इस पर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''पप्पू जी, बाबाओं को आशीर्वाद दे रहे हैं।''

'सबका विकास' के बदले 'कुछ खास लोगों के विकास' पर है केंद्र सरकार का जोर : तृणमूल कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि वह जमीनी वास्तविता से दूर है और उसका जोर 'सबका विकास' के बदले 'कुछ खास लोगों के विकास' पर है। तृणमूल कांग्रेस सदस्य सागरिका घोष ने दावा किया कि सरकार देश की वास्तविकता से दूर है और बेरोजगारी, महंगाई जैसी गंभीर समस्याओं के समाधान के लिए उसके पास कोई हल नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार मणिपुर में हिंसा पर काबू पाने में भी नाकाम रही है। उच्च सदन में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए सागरिका घोष ने कहा कि यह सरकार बातें अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार की करती है लेकिन उसका जोर ''न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रचार'' पर है। उन्होंने कहा कि यह बात महाकुंभ मेले में ही दिख गयी जिसका काफी प्रचार किया गया था लेकिन प्रभावी प्रबंधन नहीं किया गया। घोष ने कहा कि उन्होंने एक पत्रकार के रूप में पिछले दो कुंभ को कवर किया था और दोनों बार काफी अच्छी सुविधाएं मुहैया करायी गयी थीं लेकिन इस बार सिर्फ प्रचार पर जोर था। कुंभ मेले में ''वीआईपी कल्चर'' को बढ़ावा दिया गया।

रामकुमार रामनाथन, करण सिंह और मुकुंद शशिकुमार चेन्नई ओपन से बाहर हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तीसरी वरीयता प्राप्त डुजे अजदुकोविच के साथ रामकुमार रामनाथन, करण सिंह और मुकुंद शशिकुमार की भारतीय तिकड़ी मंगलवार को यहां चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर के पुरुष एकल के शुरुआती दौर में हार गए। टूर्नामेंट के शीर्ष वरीय बिली हैरिस और लॉयड हैरिस ने अपने अभियान की विजयी शुरुआत की।

विश्व रैंकिंग में 158वें स्थान पर काबिज अजदुकोविच के खिलाफ स्वीडन के इलियास यमेर ने उलटफेर किया। विश्व रैंकिंग में 332वें स्थान पर काबिज यमेर ने 6-2, 6-7, 6-2 से जीत दर्ज की। भारतीय एकल खिलाड़ियों के लिए एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में यह अच्छा दिन नहीं था क्योंकि मुख्य ड्रॉ में शामिल तीनों खिलाड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गए। करण सिंह को फ्रांस के किरियन ने 6-3, 6-3 से हराया जबकि रामकुमार ग्रेट ब्रिटेन के जे क्लार्क से 3-6, 5-7 से हार गए। मुकुंद को एलेक्सी जखारोव के खिलाफ दूसरा सेट जीतने में सफल रहे लेकिन निर्णायक सेट में मजबूत चुनौती नहीं पेश कर सके। उन्हें 3-6 7-6-1-6 से शिकस्त मिली। युगल ड्रा में सिद्धांत बंथिया और परीक्षित सोमानी ने साई कार्तिक रेड्डी गंता और विष्णु वर्धन की एक अन्य भारतीय जोड़ी पर 6-3, 3-6, 10-7 से जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। शीर्ष वरीयता प्राप्त ग्रेट ब्रिटेन के बिली हैरिस और दूसरी वरीयता प्राप्त द. अफ्रीका के हैरिस दूसरे दौर में जगह पक्की करने वाले वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में से थे। बिली ने यूक्रेन के क्वालीफायर एरिक वैनशेलबोइम को 7-5, 6-2 से हराया जबकि अमेरिकी ओपन के पूर्व क्वार्टर फाइनलिस्ट लॉयड ने यूक्रेन के अन्य क्वालीफायर यूरी दझावाकियन को 6-3, 5-7, 6-0 से पराजित किया।

विदेशी नागरिकों को वापस न भेजने पर न्यायालय ने असम सरकार से पूछा, क्या किसी 'मुहूर्त' का इंतजार है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

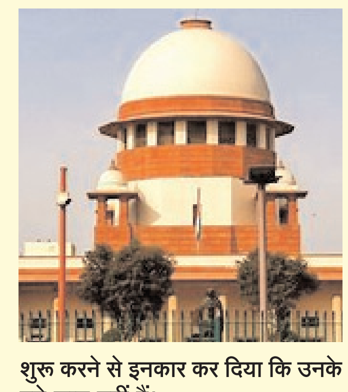

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित करने के बजाय उन्हें अनिश्चितकाल तक निरुद्ध केंद्रों में रखने को लेकर असम सरकार को मंगलवार को फटकार लगाई और सवाल किया कि क्या सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए ''किसी मुहूर्त का इंतजार कर रही'' है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि असम तथ्यों को छिपा रहा है और हिरासत में लिए गए लोगों के विदेशी होने की पुष्टि होते ही उन्हें तत्काल निर्वासित कर दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ''आपने यह कहकर निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया कि उनके पते ज्ञात नहीं हैं।

यह हमारी चिंता क्यों होनी चाहिए? आप उन्हें उनके देश भेज दें। क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं?'' शीर्ष अदालत ने असम सरकार के इस स्पष्टीकरण पर आश्चर्य जताया कि वह विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीयता सत्यापन फॉर्म इसलिए नहीं भेज रही है, क्योंकि विदेश में बंदियों का पता ज्ञात नहीं है।

पीठ ने असम सरकार की ओर से पेश वकील से कहा, ''जब आप किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करते हैं, तो आपको इसके बाद अगला तार्किक कदम उठाना पड़ता है। आप उन्हें अनिश्चितकाल तक निरुद्ध केंद्र में नहीं रख सकते। संविधान का अनुच्छेद-21 मौजूद है। असम में विदेशियों के लिए कई निरुद्ध केंद्र हैं। आपने कितने लोगों को निर्वासित किया है?''

शीर्ष अदालत ने असम सरकार को निर्देश दिया कि वह निरुद्ध केंद्रों में रखे गए उन 63 लोगों को निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू करे, जिनकी राष्ट्रीयता ज्ञात है और दो सप्ताह के भीतर वस्तुस्थिति रिपोर्ट दाखिल करे।

सुविचार

गलतफहमियों के सिलसिले आजकल इतने दिलचस्प है कि, हर ईंट सोचती है कि दिवार मुझ पर टिकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घटता प्रेम, टूटते परिवार

भाजपा के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने झूठे आरोपों का सामना करने वाले पुरुषों को पर्याप्त कानूनी और भावनात्मक समर्थन दिए जाने की मांग कर उनकी पीड़ा को आवाज दी है। प्राय: पीड़ित और शोषित महिलाओं के समर्थन में तो हर नेता एवं राजनीतिक दल आवाज उठाते हैं, जरूर उठानी चाहिए, लेकिन जब पीड़ित और शोषित कोई पुरुष होता है, तब न तो नेता उसके समर्थन में खड़े होने की इच्छाशक्ति दिखाते हैं और न उसकी पीड़ा किसी राजनीतिक दल के लिए मुद्दा होती है! ये दोहरे मापदंड क्यों? पीड़ित महिला भी हो सकती है, पीड़ित पुरुष भी हो सकता है। जो पीड़ित हो, जिसके साथ ज्यादती हुई हो, उसे समर्थन मिलना चाहिए, उसके अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कथित बुद्धिजीवियों का एक वर्ग महिलाओं और पुरुषों को एक-दूसरे के शत्रु के रूप में चित्रित कर रहा है। ऐसी सोच परिवारों को तोड़ रही है। महिला और पुरुष के बीच प्रतिद्वंद्विता नहीं, बल्कि सहयोग की भावना होनी चाहिए। अगर दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता और शत्रुता की भावना पैदा हो गई तो परिवार को बिखरने में देर नहीं लगेगी। हमें अपने आदर्श पश्चिम की 'परिवारतोड़क' विषैली विचारधाराओं में नहीं ढूंढ़ने चाहिएं। हमारे आदर्श भगवान शिव – माता पार्वती, प्रभु श्रीराम – माता सीता, भगवान विष्णु – माता लक्ष्मी ... होने चाहिएं। महिला और पुरुष, दोनों की ही रचना ईश्वर ने की है, दोनों को ही विशेष गुण दिए हैं। इनमें से कोई 'छोटा' नहीं है। दोनों ही अपनी जगह बड़े हैं। इसलिए न तो किसी को दबाया जाए, न किसी को सताया जाए। दोनों के ही अस्तित्व का सम्मान होना चाहिए।

इस तथ्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि भारत समेत दुनियाभर में महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं। उन्हें न्याय दिलाने के लिए कई कानून बनाए गए, जिनकी जरूरत थी। वहीं, इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में उन कानूनों का दुरुपयोग हुआ है। दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दुष्कर्म जैसे अपराध महिलाओं के साथ हुए हैं, हो रहे हैं, लेकिन किसी निर्दोष पर झूठे आरोप लगाकर उसकी ज़िंदगी बर्बाद कर देना कहां तक उचित है? हाल में बहुचर्चित अतुल सुभाष मामले का वीडियो देखकर कई नौजवान ब्याह-शादी से तौबा कर चुके हैं! हमारे देश में विवाह एक पवित्र व्यवस्था मानी जाती है। यह परिवार का आधार है। अगर परिवार में ही दरार आ जाएगी तो समाज का भविष्य क्या होगा? समाज के छिन्न-भिन्न होने के बाद कोई देश सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया तो वह कामयाबी किस काम की? आज कई परिवारों की हालत यह है कि सुख-सुविधाओं के तमाम साधन होने के बावजूद वहां शांति नहीं है, मधुरता नहीं है। परिवार में उच्च शिक्षित लोग हैं, लेकिन रिश्तों में तालमेल कायम नहीं हो रहा है! यह समस्या क्यों पैदा हुई? जब रिश्तों के बीच अहंकार, गलतफहमी, ईर्ष्या और टकराव जैसे अवरोधक आ जाते हैं तो उनमें कड़वाहट भर जाती है। लोग विवाह के लिए बात पक्की करने से पहले चरित्र, सूझबूझ, व्यवहार और विवेक के बजाय धन-दौलत, बहुत ऊंची नौकरी, सुंदरता को हद से ज्यादा महत्त्व देने लगे हैं। परिवारों के टूटने की एक वजह यह भी है। बाकी कसर कुछ घरफोड़ू धारावाहिकों और सोशल मीडिया ने पूरी कर दी। हमारे जीवन में इनका दखल इस कदर बढ़ता गया कि आज घर-घर में वे समस्याएं पैदा हो रही हैं, जो दो दशक पहले देखने-सुनने को ही नहीं मिलती थीं। इनका समाधान सिर्फ कानूनों से नहीं हो सकता। हालांकि कानूनों की जरूरत हमेशा रहेगी। हमें अपने परिवारों में भारतीय मूल्यों एवं आदर्शों को पुन: स्थापित करना होगा। धन एक हद तक जरूरी है। यह परिवार की सुख-शांति का विकल्प नहीं हो सकता। परिवार उसी सूरत में सुखी होंगे, जब रिश्तों में प्रेम होगा। इसके लिए किसी को 'छोटा' या महत्त्वहीन साबित करने की जरूरत नहीं है।

ट्वीटर टॉक

पिछले 30 साल से सदन में आने वाले ओबीसी समाज के सांसद दलों के भेदभाव से ऊपर उठकर एक होकर मांग कर रहे थे कि ओबीसी कमीशन को संवैधानिक दर्जा दिया जाए। जिन लोगों को आज जातिवाद में मलाई दिखती है, उन लोगों को उस समय ओबीसी की याद नहीं आई।

–नरेन्द्र मोदी

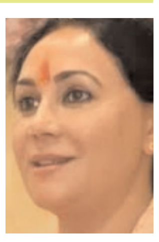

लोक देवता भगवान श्री देवनारायण जी के 1113वें जन्मोत्सव के उपलक्ष में आज भीलवाड़ा जिले के आसींद में स्थित अंतरराष्ट्रीय तीर्थ श्री सवाई भोज एवं श्री देवनारायण मंदिर में आयोजित रक्तदान शिविर एवं आमसभा में सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

–दीया कुमारी

जयपुर में मंगलवार को सरपंच संघ राजस्थान द्वारा आयोजित पंचायती राज सशक्तीकरण एवं अभिनंदन समारोह में सहभागिता कर उपस्थित जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया। हमारी सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के सुदृढ़ीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

वृक्ष रक्षा को बलिदान

यह उन दिनों की बात है जब थार रेगिस्तान में खेजड़ी के पेड़ों की संख्या बहुत अधिक थी। एक दिन मारवाड़, जोधपुर के महाराजा अभय सिंह के सैनिक लकड़ी काटने के लिए उस ओर आए, जहां खेजड़ी के पेड़ बहुतायत में थे। अमृता बिश्नोई नामक एक महिला अपनी तीन बेटियों के साथ घर पर थी। उसे जैसे ही यह सूचना मिली कि सैनिक खेजड़ी के पेड़ों को बेरहमी से काट रहे हैं, वह तुरंत उस ओर भागी। एक महिला को देखकर सैनिक चौंक गए। महिला उस पेड़ से लिपट गई, जिसे सैनिक काटने जा रहे थे। यह देखकर क्रोधित सैनिक बोले, 'अपनी जान को क्यों जोखिम में डाल रही हो?' यह सुनकर अमृता बिना डरे बोली, 'यदि किसी व्यक्ति की जान की कीमत पर भी एक पेड़ बचाया जाता है, तो वह सही है। हरियाली रहेगी तो पृथ्वी पर संतुलन बना रहेगा।' अचानक एक सिपाही ने गुस्से में कुल्हाड़ी चला दी और अमृता की जान चली गई। जब राजा को यह बात पता चली, तो वह दौड़े-दौड़े बिश्नोई परिवार के पास गए। उन्होंने उनसे माफी मांगी और कहा कि आगे से पेड़ों को नहीं काटा जाएगा। वर्ष 1983 में खेजड़ी वृक्ष को राजस्थान का राजकीय वृक्ष घोषित किया गया।

सामयिक

पुस्तक-महाकुंभ से एक नये दौर का सूत्रपात

ललित गर्ग
मो.: 9811051133

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एएक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम 'रिपब्लिक 75' है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र-निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है। पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं।

पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान-प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेले का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेज़ी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया हैं। ये केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं।

विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक-संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की ज़िंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-क़ायदे से गुज़रना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह ज़िंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है।

पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर ज़रिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अतः अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं। रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है। देश में स्वामी विवेकानंद की धारा से पुनर्जागरण का एक दौर शुरू हुआ था जिससे हमें आजादी मिली थी, आचार्य श्री तुलसी के नैतिक क्रांति के शंखनाद-अणुव्रत आन्दोलन से नैतिक, वैचारिक एवं चारित्रिक बल मिला और अब मोदी के नेतृत्व में पुनर्जागरण का एक नया दौर शुरु हुआ है जो देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाला साबित हो रहा है, इससे नया भारत निर्मित हो रहा है एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लग रहा है। पुस्तक मेलों से पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ हो रहा है।

नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन-पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है। क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करती है। पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ व बुद्धिमान हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान। पुस्तकें समाज एवं राष्ट्र रूपी शरीर की मस्तिष्क होती है, जिनसे हमारी रूचि जागे, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति मिले, हममें शक्ति एवं गति पैदा हो, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध हो, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करें। दिल्ली विधानसभा चुनावों की राजनीतिक सरगर्मियों के बीच यह पुस्तक मेला नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत का इंजन है। आज भी सबसे बड़ी लड़ाई विचारों की है और विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही वास्तविक हथियार हैं।

नजरिया

क्या डॉलर के दम पर चीन से निबटेगा अमेरिका?

कमलेश पांडेय

जानकार बताते हैं कि रूस-चीन-ब्राजील जैसे ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर और यूरो पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसी नजरिए से साल 2022 में 14वें ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि सदस्य देश नई रिजर्व करेंसी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने भी डॉलर के दबदबे को कम करने के लिए ब्रिक्स करेंसी बनाने का सुझाव दिया था।

चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और ऐसा वह उस अमेरिका की कीमत पर करना चाहता है जिसने उसके नवनिर्माण और समुत्थान में महती भूमिका निभाई है। हालांकि अमेरिका भी इसे भलीभांति समझ चुका है और समुपस्थित विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो के डॉलर की चिंता और उसके लिए जिम्मेदार चीन सम्बन्धी हालिया बयानों पर जब आप गौर करेंगे तो यह समझ जाएंगे कि अमेरिका की चिंता सिर्फ डॉलर की गिरती साख को ही बचाने की नहीं है बल्कि वह सोवियत संघ की भांति ही अब चीन को भी निबटाने की रणनीति पर फोकस कर चुका है। ऐसे में सुलगता सवाल यह है कि क्या अमेरिका सिर्फ डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा या फिर कुछ अन्य मौजूं उपाय भी करेगा! उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल की कवायद जिस तरह से चीन कर-करवा रहा है और इस नजरिए से ब्रिक्स देशों यानी रूस-ब्राजील आदि को ढाल बनाए हुए है, उससे अमेरिका भड़क चुका है और सम्बन्धित देशों को खुलेआम धमकियां देनी भी शुरू कर दी है। चीन के खिलाफ ताइवान का हथकंडा और दक्षिण चीन सागर विवाद को शह देने और रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काते रहने और नाटो देशों से सहयोग दिलवाने के पीछे की व्यापक रणनीति भी तो इसी बात की चुगली करती है।

वहीं, ब्रिक्स देशों की सम्भावित वैकल्पिक मुद्रा से डॉलर के समक्ष उत्पन्न होने वालों खतरों के सम्भावित दुष्परिणामों के बारे में अमेरिका ने जिस तरह से आगाह करना शुरू कर दिया है, उससे भारत समेत कतिपय ब्रिक्स देश भी सकते में हैं, आशंकित हैं और अपने बचाव में तर्क भी दे चुके हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में जब ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश विशेष रूप से चीन-रूस अमेरिकी डॉलर का विकल्प या ब्रिक्स मुद्रा की मांग कर रहे हैं, तब भारत 'डी-डॉलराइजेशन' यानी 'विश्व व्यापार और वित्तीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग में कमी' के खिलाफ है। दिसम्बर 2024 में ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत कभी भी 'डी-डॉलराइजेशन' के पक्ष में नहीं रहा है व ब्रिक्स मुद्रा बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम खड़े होकर बस देखते रहें, इस तरह के विचारों के दिन लद चुके हैं। लिहाजा, वह ब्रिक्स देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो नई मुद्रा बनाएंगे और न ही किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे।

वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी कहा है कि इस मसले पर चीन से हमें निबटना होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि हम इस मुद्दे पर युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हम इस पर गौर करने जा रहे हैं। क्योंकि चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और वे ऐसा हमारी कीमत पर करना चाहते हैं। इससे निपटना होगा। बता दें कि चीन की वैश्विक रणनीति को लेकर अमेरिका अब सजग हो चुका है और आर्कटिक व दक्षिण अमेरिका में चीनी गतिविधियों से उत्पन्न खतरे को निर्मूल करने के लिए ही ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर पर पुनः नियंत्रण पाने और कनाडा को अमेरिका में मिलाने जैसी दूरदर्शिता भरी रणनीति का आगाज समय रहते ही कर चुका है, भले ही वह पहले जितना आसान नहीं हो।

जानकार बताते हैं कि रूस-चीन-ब्राजील जैसे ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर और यूरो पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसी नजरिए से साल 2022 में 14वें ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि सदस्य देश नई रिजर्व करेंसी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने भी डॉलर के दबदबे को कम करने के लिए ब्रिक्स करेंसी बनाने का सुझाव दिया था। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मुद्रा भंडार के रूप में डॉलर का हिस्सा 59 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के कुल कर्ज में 64 प्रतिशत का लेनदेन डॉलर में होता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में भी डॉलर की 58 प्रतिशत हिस्सेदारी है। खास बात यह है कि यूरोपीय संघ बनने और उसकी मुद्रा यूरो के अस्तित्व में आने के बाद से डॉलर के दबदबे में कमी आई है, लेकिन अभी भी यह सबसे अधिक चलन वाली मुद्रा बनी हुई है। ऐसे में यदि ब्रिक्स देश भी कोई नई मुद्रा ले आते हैं तो इससे डॉलर का मूल्य घटेगा। शायद इसलिए अमेरिका अब चौकन्ना हो चुका है और इस नए सम्भावित संकट से निबटने के लिए साम-दाम-दंड-भेद की नीति अख्तियार कर लिया है। उसकी ताजा धमकियां इसी बात की चुगली कर रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच भारत के परिवर्तित स्टैंड से भी उसे राहत मिली है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स देश दुनिया के उन दस महत्वपूर्ण देशों का संगठन है, जो पश्चिमी देशों के जी-7 और नाटो जैसे दबंग देशों से समान प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को एकजुट किये हुए हैं। वर्ष 2009 में स्थापित ब्रिक्स समूह में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिश्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नामक देश शामिल हैं। चूंकि यह एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका यानी यूएसए को शामिल नहीं किया गया है। इसी वजह से वह इस पर बिफरा रहता है। बता दें कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 25.5 ट्रिलियन से अधिक है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है। विश्व बैंक के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिक्स देशों की जीडीपी, ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में इस प्रकार है- चीन- 17.79, भारत- 3.55, ब्राजील- 2.17, रूस- 2.02, यूएई- 0.5, मिश्र- 0.4, ईरान- 0.4, दक्षिण अफ्रीका- 0.37 और इथियोपिया- 0.16. वहीं, यूएन ट्रेड डाटाबेस के 2023 के आंकड़ों से पता चलता है कि ब्रिक्स देशों के साथ अमेरिका का व्यापार अरब यूएस डॉलर में इस प्रकार है- भारत से निर्यात- 40.1, आयात- 87.3, चीन से निर्यात- 147.8, आयात- 448, ब्राजील से निर्यात-44.8, आयात- 41, यूएई से निर्यात- 24, आयात- 00, इंडोनेशिया से निर्यात- 00, आयात- 28.1, सऊदी अरब से निर्यात- 13.9 और आयात- 16.5, अन्य सदस्य देश से निर्यात- 23.5 और आयात- 29.

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जहां जीडीपी के मामले में ब्रिक्स देशों में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है, वहीं अमेरिका से होने वाले कारोबार में भी उसकी एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसलिए न तो ब्रिक्स देश भारत की अवहेलना करने की सोच पाएंगे और न ही अमेरिका उसकी उपेक्षा कर पाएगा। वही, यह भी स्वाभाविक है कि इतने बड़े कारोबारी फायदे को अमेरिका गंवाना नहीं चाहेगा। क्योंकि इसे गंवाने का सीधा असर उसकी वैश्विक थानेदारी पर पड़ेगा। यही वजह है कि समय रहते ही अमेरिका ने ब्रिक्स देशों की मुखालफत शुरू कर दी है, जिससे ब्रिक्स देशों की परेशानी निकट भविष्य में बढ़ सकती है। बता दें कि यह वही अमेरिका है जिसने चीन के नवनिर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। उसे तकनीकी रूप से अपग्रेड होने में स्वार्थपरक मदद दी है। समझा जाता है कि शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ (रूस व उसके पड़ोसी देशों का समूह) और भारत की युगलबंदी को मात देने के लिए ही अमेरिका रणनीतिक रूप से चीन-पाकिस्तान-अफगानिस्तान के अलावा अरब देशों की रणनीतिक मदद करता था और अपने वैश्विक हित साधता था। तब चीन के सम्बन्ध भी भारत और रूस से उतने प्रगाढ़ नहीं थे, जितने अमेरिका-पाकिस्तान-अफगानिस्तान व अरब देशों से थे। (साभार : प्रभा साक्षी)

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाकुंभः भूटान नरेश ने संगम में लगाई डुबकी, अक्षयवट के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर।भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने डुबकी लगाने से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, वांगचुक 'घो' परिधान (भूटान में पुरुषों का राष्ट्रीय परिधान) में हवाई अड्डे पर पहुंचे जहां मुख्यमंत्री ने नारंगी रंग का शॉल देकर उनका स्वागत किया। बाद में जब भूटान नरेश वांगचुक स्नान के लिए पानी में उतरे तो उन्हें केसरिया रंग के लंबे कुर्ते-पायजामे में देखा गया।

सरकार द्वारा जारी तस्वीरों के मुताबिक, वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी स्वतंत्र देव सिंह और नंद गोपाल गुप्ता नंदी तथा संतोष दास 'सतुआ बाबा' ने भी संगम में डुबकी लगाई। संगम में डुबकी लगाने के बाद भूटान नरेश अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन के लिए गये। इसके बाद वांगचुक तथा मुख्यमंत्री, डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचे जहां उन्होंने महाकुंभ के डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे थे और कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कर उनका स्वागत किया। बाद में भूटान नरेश राजभवन पहुंचे थे जहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया और वांगचुक ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भूटान नरेश के साथ भारत-भूटान के संबंधों पर विस्तृत चर्चा भी की। बयान में कहा गया कि भूटान नरेश का यह दौरा भारत-भूटान मित्रता एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। भूटान नरेश और महारानी मार्च 2024 और दिसंबर 2024 में दिल्ली की यात्रा पर आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसे पहले नेता हैं जिन्हें भूटान ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित किया। मंगलवार को अपराह्न दो बजे तक 61.20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया और 13 जनवरी से अब तक 37.54 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के आईएएस बनने में कांग्रेस ने रोड़ा पैदा कियाः अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कांग्रेस पर देश में आजादी के बाद से दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्ग के लोगों के प्रशासनिक सेवा में आने में रोड़ा बनने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने देश में सामाजिक न्याय के लिए अनेक काम किए हैं। अनुप्रिया ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि विपक्ष के लोग मोदी सरकार में भारत के प्रगति की ओर बढ़ते कदमों को नहीं देखना चाहते, लेकिन देश की 140 करोड़ जनता इसे देख रही है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सोमवार को सदन में दिए गए भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और आजादी के बाद कई दशकों तक रही उसकी सरकारों की नीतियों की वजह से सर्वोच्च पदों पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग नहीं पहुंच पाए। राहुल गांधी ने पिछले साल बजट की 'हलवा सेरेमनी' के एक फोटो का जिक्र करते हुए अपना यह दावा दोहराया था कि इसमें दलित और ओबीसी वर्ग के एक भी अधिकारी की तस्वीर नहीं है।

अनुप्रिया पटेल ने कहा, ''इन तस्वीरों में से वंचित और दलित वर्ग के लोग 2014 के बाद से गायब नहीं हैं, बल्कि आजादी के समय से ही नदारद हैं।''

बातचीत

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी मंगलवार को मेटियाब्रुज में सेवाआश्रय शिविर का दौरा करते हैं और नागरिकों से बातचीत करते हुए।

महाकुंभ में भगदड़ कोई बड़ी घटना नहीं थी, इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा हैः हेमा मालिनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को कहा कि महाकुंभ में भगदड़ कोई ''बड़ी घटना'' नहीं थी और इसे ''बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि इस धार्मिक आयोजन को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया गया है।

प्रयागराज में जारी महाकुंभ में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के मौके पर भगदड़ मच गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इसमें कम से कम 30 लोगों की जान चली गई और 60 लोग घायल हो गए। संसद भवन परिसर में हेमा मालिनी ने संवाददाताओं से कहा, ''हम कुंभ गए थे...हमने बढ़िया स्नान किया...सब कुछ अच्छे से प्रबंधित किया गया था। यह सही है कि घटना (भगदड़) हुई... इतना कुछ बड़ा नहीं हुआ। मुझे नहीं पता कि यह कितनी बड़ी थी। इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है. उन्होंने कहा,''..बहुत सारे लोग आ रहे हैं, इसे प्रबंधित करना बहुत मुश्किल है लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं...।'

अभिनेत्री से राजनेता बनी हेमा मालिनी ने भगदड़ वाले दिन महाकुंभ में स्नान भी किया था। विपक्षी सदस्यों द्वारा सरकार पर भगदड़ में मरने वालों की संख्या छिपाने का आरोप लगाए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''वे जो कहना चाहते हैं, कहेंगे...गलत बातें कहना उनका काम है।''

महाकुंभ में भगदड़ का मुद्दा मंगलवार को संसद के दोनों सदनों में उठाया गया। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार भगदड़ में मरने वालों की संख्या छिपा रही है और मेले के आयोजन में ''कुप्रबंधन'' को छिपाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। समाजवादी पार्टी की ही राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने सोमवार को सदन में महाकुंभ में मची भगदड़ की पृष्ठभूमि में कहा था कि इस समय सबसे ज्यादा प्रदूषित जल कुंभ में है जहां भगदड़ में मारे गए लोगों की लाशों को पानी में डाल दिया गया और वही पानी वहां लोगों तक पहुंच रहा है। उनके इस बयान के बाद विवाद पैदा हो गया।

तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत रॉय ने महाकुंभ में भगदड़ की घटना को ''स्वतंत्र भारत की सबसे बुरी घटनाओं में से एक'' बताते हुए कहा कि सरकार को मृतकों की 'सही संख्या' जारी करनी चाहिए।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य विपक्षी नेताओं ने सोमवार को संसद में इस मुद्दे को उठाया और मृतकों की सूची की मांग की। दूसरी ओर, सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा कि उसे भगदड़ के पीछे साजिश का अंदेशा है और जांच पूरी होने के बाद इसके लिए जिम्मेदार लोगों को शर्म से सिर झुकाना पड़ेगा। उधर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को विवादास्पद टिप्पणी के लिए सपा नेता जया बच्चन की गिरफ्तारी की मांग की। विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने जया बच्चन की टिप्पणी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'दुखद' बताते हुए कहा, ''झूठे और असत्य बयान देकर सनसनी फैलाने के आरोप में जया बच्चन को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।''

पेटा और प्रसिद्ध सितार वादक केरल के मंदिर को यांत्रिक हाथी भेंट करेंगे

त्रिशूर। गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) 'पेटा इंडिया' प्रसिद्ध सितार वादक एवं 2025 ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित अनुष्का शंकर के साथ मिलकर यहां कोम्बारा श्रीकृष्ण स्वामी मंदिर को एक आदमकद यांत्रिक हाथी भेंट करेगा। 'पेटा इंडिया' ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'पीपुल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया' ने एक बयान में कहा कि वास्तविक हाथियों को कभी न रखने या किराये पर न लेने की मंदिर की प्रतिबद्धता के कारण उसे कोम्बारा कन्नन नाम का तीन मीटर लंबा यांत्रिक हाथी दान किया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि उन्नायी वरियार मेमोरियल कलानिलयम के सचिव सतीश विमलन बुधवार को मंदिर में 800 किलोग्राम के यांत्रिक हाथी का लोकार्पण करेंगे। 'पेटा इंडिया' ने केरल के मंदिर को पांचवां यांत्रिक हाथी उपहार के तौर पर दिया है। यांत्रिक हाथी रबर, फाइबर, धातु और इस्पात से बने होते हैं और पांच मोटर की मदद से चलते हैं।

पेटा इंडिया के अनुसार, यांत्रिक हाथी का असली हाथी की तरह ही इस्तेमाल किया जा सकता है। पेटा ने बताया कि वह सिर हिला सकता है, अपने कान और आंखें हिला सकता है, अपनी पूंछ हिला सकता है, अपनी सूंड उठा सकता है, यहां तक कि पानी का छिड़काव भी कर सकता है और इस पर चढ़ा जा सकता है।

सेल्फी

पटना में मंगलवार को मगध महिला कॉलेज की छात्राएं बसंत पंचमी उत्सव के अवसर पर देवी सरस्वती के विसर्जन जुलूस के दौरान रंगों से खेलती हुई।

आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने के लिए श्रीलंका को एकजुट होना होगाः दिसानायके

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मंगलवार को कहा कि उनके देश को वैश्विक आर्थिक प्रणाली की कमजोरियों के आगे झुकने के बजाय आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। दिसानायके ने द्वीपीय राष्ट्र के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें इस मातृभूमि के लिए स्वतंत्रता के अपने संघर्ष को सामूहिक रूप से जारी रखना चाहिए।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''वैश्विक आर्थिक प्रणाली की कमजोरी के आगे झुकने और इसके उतार-चढ़ाव से प्रभावित होने के बजाय हमें अपनी आर्थिक स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए अपनी मातृभूमि की खातिर एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए।''

नियुक्ति पत्र

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को पटना के संवाद हॉल में नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए।

खम्मा घणी जयपुर.....कहकर राजस्थान के रंग में रंग गए विक्की कौशल

जयपुर/एजेन्सी

आज के दौर के दर्शक सिर्फ मनोरंजन नहीं चाहते, बल्कि ऐसी कहानियाँ चाहते हैं, जो उनके दिल को छू लें, उन्हें इतिहास की गहराई में ले जाएँ और इंसानी जज़्बातों को बड़े पर्दे पर जीवंत कर दें। इन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, हिंदी सिनेमा की भव्यतम और ऐतिहासिक फिल्म 'छावा' कुछ ही दिनों में जीवंत अनुभव लेकर आ रही है, छत्रपति संभाजी महाराज की जीवन गाथा से दर्शकों को रूबरू कराएगी।

इसी कड़ी में फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता विक्की कौशल जयपुर पहुँचे। राजमंदिर सिनेमा पर प्रोमो लांच के दौरान, विक्की फैंस और दर्शकों से मुखातिब हुए, जहाँ उन्होंने खम्मा घणी जयपुर.. कहकर राजस्थान के अंदाज़ में सभी का अभिवादन किया। इसके बाद, मैरियट होटल में प्रेस मीट में , विक्की ने मीडिया के सवालों के जवाब दिए और फिल्म के बारे में विस्तार से बताया।

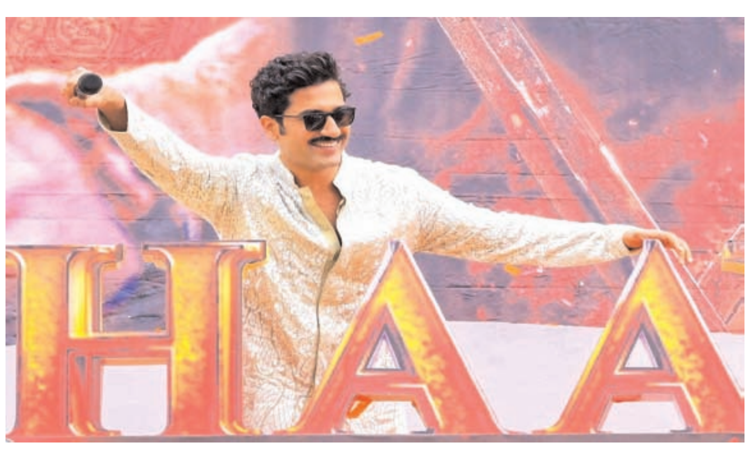

फिल्म में अभिनय करने को लेकर उत्साहित अभिनेता विक्की कौशल, ने कहा, छावा सत्य घटना पर आधारित फिल्म है, जो छत्रपति संभाजी महाराज की प्रेरणादायक कहानी को जीवंत करती है। सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इतिहास की उस महान विरासत को श्रद्धांजलि है, जिसने हमारी संस्कृति और परंपरा को आकार दिया। मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूँ कि छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार मुझे निभाने मिला। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस कहानी को अपने दिलों में हमेशा के लिए संजोकर रखेंगे।

विक्की ने आगे कहा, जब भी आप कोई किरदार कर रहे होते हैं, तो कई महीनों और कई दफा सालों तक इसकी शूटिंग में शामिल होने और इससे जुड़े रहने से यह किरदार आपकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है और आपकी भावनाएँ इससे जुड़ जाती हैं। लगभग 12 से 14 घंटे शूटिंग करने के बाद इसका कोई न कोई अंश तो आप में रह ही जाता है, फिर चाहे वह किरदार के चलने का तरीका हो या उसकी बोली हो।

अद्भुत दृश्य, दमदार अभिनय और प्रेरणादायक कहानी के साथ 'छावा' हिंदी सिनेमा में एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है। फिल्म में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज के रूप में दिखाई देंगे, जो शिवाजी महाराज के पराक्रमी पुत्र थे। फिल्म में उनके शौर्य और अदम्य साहस को बड़ी ही खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। उनके साथ अक्षय खन्ना मुगल सम्राट औरंगज़ेब की भूमिका निभा रहे हैं, जो फिल्म में एक ऐतिहासिक संघर्ष की शुरुआत करते हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना महारानी येसूबाई के किरदार में अपनी छवि से सभी को मंत्रमुग्ध करेंगी।

जाह्नवी कपूर ने केरल में 'परम सुंदरी' की शूटिंग की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने केरल में कड़ी धूप में अपनी आने वाली फिल्म 'परम सुंदरी' की शूटिंग की है। जान्हवी कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने केरल में भीषण गर्मी के कारण अपनी आगामी फिल्म 'परम सुंदरी' की शूटिंग के दौरान सनबर्न होने का खुलासा किया। जान्हवी ने तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा 'जले हुये' अपनी कला के प्रति जान्हवी का समर्पण वास्तव में सराहनीय है। उन्हें 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' के फिल्मांकन के दौरान कंधे में चोट लगी थी, जिसके लिए लगभग सर्जरी की आवश्यकता थी। तुषार जलोटानिर्देशित फिल्म 'परम सुंदरी' में जान्हवी कपूर,सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ हैं। यह फिल्म 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस साल जान्हवी, शशांक खेतान की 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में भी दर्शकों को चकाचौंध करने के लिए तैयार हैं, जहां वह वरुण धवन के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, जान्हवी, बुची बाबू सना निर्देशित पैन-इंडिया फिल्म 'आरसी 16' में करिश्माई राम चरण के साथ अभिनय करेंगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा पूरी निष्ठाभावना से की जानी चाहिए। जिनकी संस्कृति सुरक्षित रहती है, सिर्फ उनका ही धर्म और समाज जिंदा रहता है। चीन, इज़रायल, जर्मनी, जापान और खाड़ी के देशों को अपनी संस्कृति पर बहुत नाज़ है। वे अपने परिधान, खानपान, भाषा, संस्कार और रीति-रिवाजों को सदियों से बरकरार रखे हुए हैं। भारत का आधुनिक समाज अपनी संस्कृति और महान संस्कारों को भूलते जा रहा है। मानो न मानो, पर यह सच है कि सांस्कृतिक पतन कत्लखानों से भी अधिक खतरनाक है। पशु कभी अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़े नहीं होते। भारत का आधुनिक मनुष्य तो अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़ा है।

छीपा समाज ने संतश्री नामदेव के ज्ञानोदय दिवस को बसंत पंचमी महोत्सव के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। छीपा समाज के लिए बसंत पंचमी का दिवस अति विशेष होता हैं, इस दिन इनके आराध्य भगवान् विट्ठल के भक्त संत शिरोमणि श्री नामदेवजी महाराज का ज्ञानोदय हुआ था। गोपाल छीपा ने बताया की राजस्थान नामदेव छीपा समाज के तत्वावधान में साहुकारपेट में शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने विट्ठल भगवान एवं नामदेवजी महाराज के जयकारे लगाए। व्यासरपाड़ी स्थित श्री विट्ठल नामदेव मंदिर प्रांगण में महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दिन विद्या की देवी माँ सरस्वती का प्राकट्य दिवस होने के कारण उनकी भी पूजा अर्चना की गई। समाज के महिला मण्डल ने भजनों की प्रस्तुति दी। चढ़ावों का लाभ लेने वालों का सम्मान किया गया। अंत में महाआरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, सचिव सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

पद्मविभूषण दौलत कोठारी ने विज्ञान और अध्यात्म को जोड़ा : अभय श्रीश्रीमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय रक्षा विज्ञान के शिल्पी, पद्मविभूषण डॉ. दौलत सिंह कोठारी की 32वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को शंकरलाल सुंदरबाई शसुन जैन महिला महाविद्यालय में कॉलेज के 'शसुन संस्कार' द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन एजुकेशनल सोसायटी के महासचिव अभय श्रीश्रीमाल जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रथम आवश्यकता है चरित्र निर्माण। चरित्र की सुगंध से अच्छे व्यक्ति आकर्षित होते हैं। चरित्रवान से लोग स्वयं ही प्रेरित होते हैं। चरित्र से ही विज्ञान और शिक्षा की पूर्णता व सार्थकता है। भारतीय शिक्षा नीति को आकार देने वाले और शिक्षा में नैतिक मूल्यों के समावेश पर बल देने वाले डॉ. डीएस कोठारी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रीश्रीमाल ने कहा कि सतत विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय जरूरी है। ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अहिंसा की उपेक्षा से विज्ञान विनाशक बन जाता है।

आयुर्वेद को वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली बताते हुए उन्होंने कहा कि हमें सदैव कुछ अच्छा व नया करने का प्रयत्न करना चाहिये। अपने अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि कोई पूर्ण नहीं होता है, लेकिन आत्मानुशासन के द्वारा अपूर्णता में अवसर की तलाश कर सकता है। विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्रीश्रीमाल ने कहा कि अच्छे जीवन के लिए जिज्ञासा रखें, क्षमावान बनें और नकारात्मकता को अस्वीकार करें। कला और संस्कृति विभाग के श्रेष्ठता केन्द्र की निदेशक डॉ. रमादेवी शेखर ने परंपरा और विज्ञान' विषय पर विचार रखे। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने डॉ. कोठारी और मुख्य वक्ता श्रीश्रीमाल की अनेक विशेषताओं को रेखांकित किया। शुरू में डॉ. कोठारी के जीवन और योगदान पर हिंदी वीडियो दिखाया गया। मेलपक्कम सौंदर्या ने संचालन किया। कार्यक्रम में उप-प्राचार्य डॉ. एस. रुक्मणी, जैनविद्या, हिंदी एवं अन्य विभागों की प्रध्यापिकाएँ भी उपस्थित थीं।

ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के चोकंपुदूर स्थित श्री जीरावला पार्श्वनाथ जैन मंदिर का ग्यारहवां ध्वजारोहण साध्वीश्री प्रियसोमंजनाश्रीजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। सुबह मंदिर में लाभार्थीपरिवार ढेलीबाई अमीचन्द बागरेचा परिवार द्वारा सत्तरभेदी पूजा का आयोजन किया। बागरेचा परिवार ने पूरे विधि विधान से मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। संघ के अध्यक्ष कांतिलाल कोठारी ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर ट्रस्टी रमेश मुथा, किरणराज तिलसेरा, चंपालाल जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राजस्थानी तमिल सेवा पुरस्कार हेतु नामांकन 7 फरवरी तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा स्थापित तमिल सेवा पुरस्कार हेतु नामांकन सात फरवरी तक किए जा सकते हैं। संयोजक अनिल खींचा ने बताया है कि एसोसिएशन द्वारा बिना जाति पाती, पंथ एवं पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना तमिलनाडु के प्रगति एवं कल्याण हेतु कार्य करने वाले योग्य व्यक्तियों को यह पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम का आयोजन 16 मार्च को डीजी वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में होगा जिसमें मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश केआर श्रीराम होंगे। यह पुरस्कार विभिन्न श्रेणियो जैसे कृषि एवं ग्रामीण विकास, कला, संस्कृति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, उद्यमिता, पर्यावरण, मीडिया एवं संचार, सार्वजनिक सेवाओं तथा सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम के जूरी पैनल में तुगलक के संपादक एवं प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एस. गुरुमूर्ति, अन्ना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एस. बालगुरुसामी, पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता पद्म सुब्रह्मण्यमद हिंदू ग्रुप के निदेशक एन. रवि एवं उद्योगपति एवं समाजसेवी एन. सुगालचंद जैन होंगे ।

आरसीएमटी और मलेशिया के आरसी निलाई के बीच हुआ सिस्टर-क्लब समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोटरी क्लब ऑफ मद्रास (आरआईडी) टी. नगर ने मलेशिया और बांग्लादेश के रोटेरियन प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी होटल एकॉर्ड मेट्रोपॉलिटन में की। कार्यक्रम का शुभारंभ बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमिश्नर डॉ. शेली सालेहिन और चेन्नई में मलेशिया के काउंसिल जनरल सरवण कुमार कुमारवसगम के उपस्थिति में हुआ। आरआईडी 3233 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर महावीर बोथरा और आरसीएमटी अध्यक्ष नरेंद्र श्री श्रीमाल ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत किया। रोटरी ध्वज विनिमय समारोह ने क्लबों के बीच वैश्विक संबंधों को और प्रगाढ़ किया।

इस मौके पर आरसीएमटी और मलेशिया के आरसी निलाई के बीच सिस्टर-क्लब समझौता संपन्न हुआ, जो दोनों क्लबों के बीच सेवा परियोजनाओं के सहयोग को बढ़ाएगा।

इस मौके पर उपस्थित सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। आरसीएमटी की सचिव डॉ. पूर्णिमा ने संचालन किया और नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने धन्यवाद दिया।

टैलेंट हंट 'दि सिंगिंग शो डाऊन' में जीतो सदस्य परिवारों ने दिखाई प्रतिभा

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीतो चैप्टर महिला विंग की ओर से टैलेंट हंट ग्रेंड फाइनल 'दि सिंगिंग शो डाऊन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केकेजी जोन संयोजिका पिंकी जैन ने महामंत्र के मंगलाचरण से तथा अथितियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लेडीज़ विंग की अध्यक्ष मोना भटेवरा ने आए हुए सभी अतिथियों व सदस्यों का स्वागत किया गया। जीतो मैसूरु चैप्टर के अध्यक्ष विनोद बाकलीवाल ने अध्यक्ष भाषण दिया। 8 से 50 वर्ष आयु के प्रतिभागियों ने हिंदी फिल्मों के मधुर गीतों की प्रस्तुतियां दी। निर्णायकों ने गीतकारों का चयन किया। 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम स्थान पर लिशिता जैन, 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग के प्रथम स्थान पर टिया जैन रही और 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के प्रथम स्थान पर जसदीप संघवी रहे। विजेताओं को नगद राशि और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक बिमल जैन परिवार रहा। कार्यक्रम की संयोजिका योगिता जैन व सहसंयोजिका पिंकी जैन ने व्यवस्था संभाली।

इस मौके पर मैसूरु जीतो चैप्टर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, मुख्यसचिव गौतम सालेचा, उपाध्यक्ष भैरूलाल पितलिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, प्रेम पारलेचा, यूथ विंग अध्यक्ष सिद्धार्थ कटारिया, केकेजी जोन मैसूरु के संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन सहित मैसूरु लेडीज़ विंग उपाध्यक्ष सपना गाँधी, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी, सहकोषाध्यक्ष सीमा, सहसचिव साधना श्रीश्रीमाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे । लेडीज़ विंग सचिव राजनी डागलिया ने धन्यवाद दिया। संचालन हर्ष नागपाल ने किया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में हुआ पाद पूजन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में सोमवार को मातृ देवो भव, पितृ देवो भव एवं गुरु देवो भव की इस महान परंपरा को बनाए रखने के लिए 10वीं एवं 12वीं वर्ग के विद्याथियों द्वारा उनके माता-पिता एवं पितामह की पाद पूजा संस्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए अपनी बोर्ड परीक्षा पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, संयुक्त सचिव राजेश छावछरिया, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, समिति सदस्य मनोहरलाल बगड़िया, विवेक बुकडीवाला, प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य रघुदेव, उपप्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन एवं शिक्षकगणों ने गणेश पूजा , नवग्रह पूजा तथा सरस्वती पूजा के साथ सभी देवी देवताओं की पूजा कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्षा अंशु अग्रवाल ने हिंदी में, सहसंचालक श्रीदेवी ने अंग्रेजी में तथा तमिल विभागाध्यक्षा विजयलक्ष्मी ने तमिल भाषा में पाद पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। शालिनी अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे माता-पिता के प्रति हमारे मन में जो सम्मान है वह सिर्फ़ आज एक दिन के लिए ही नहीं अपितु जीवन पर्यंत के लिए होना चाहिए क्योंकि हमारे माता-पिता ही हमारे सच्चे मार्गदर्शक एवं शुभचिंतक होते हैं तथा जितना हो सके हमें मोबाइल का कम से कम प्रयोग करना चाहिए। तदुपरांत छात्र-छात्राओं ने अपने माता-पिता एवं पितामह के चरणों को धोकर उनका रोली अक्षत पुष्प अर्पित करके पारंपरिक विधि से पूजन कर उनको मिठाई खिलाकर यह आश्वासन दिया कि हमारा परिणाम एवं भविष्य में भी ऐसी मिठास बनी रहेगी और साथ ही अभिभावकों से कुशलता एवं सफलता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सरल व्यक्ति के लिए सबके दरवाजे हमेशा खुले होते हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

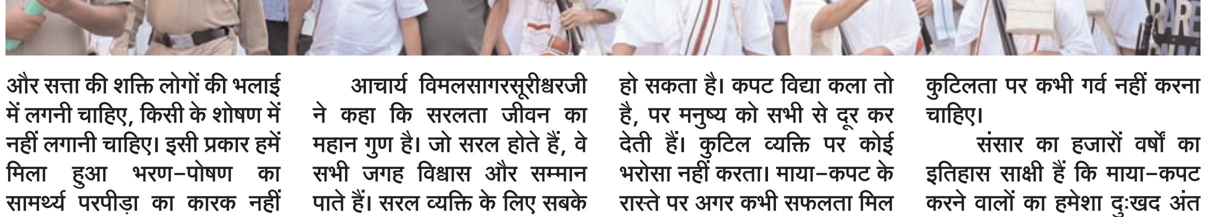

शिवपुरा। मंगलवार को शिवपुरा के लिंगायत समुदाय भवन में कडुर, बिरूर, तरीकेरे, चिकमगलूर, होसदुर्गा और हिरियूर के श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पृथ्वी पर सबसे अच्छा जीवन मनुष्य का है और वह किसी का बुरा करने के लिए नहीं मिला है। सत्ताओं को प्राप्त करने या सफल होने के लिए खेले जाते राजनीतिक और कूटनीतिक दांवपेचों का भी कोई भविष्य नहीं है। हमें सदैव यह याद रखना चाहिए कि ज्ञान, धन और सत्ता की शक्ति लोगों की भलाई में लगनी चाहिए, किसी के शोषण में नहीं लगानी चाहिए। इसी प्रकार हमें मिला हुआ भरण-पोषण का सामर्थ्य परपीड़ा का कारक नहीं बनना चाहिए। नायक और शासक पक्षपातपूर्ण नहीं होने चाहिएं। वे सुख-शांति और न्याय देने वाले होने चाहिएं। ऐसे लोग कभी भुलाएं नहीं जाते। उन्हें जमाना सदा याद रखता है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सरलता जीवन का महान गुण है। जो सरल होते हैं, वे सभी जगह विश्वास और सम्मान पाते हैं। सरल व्यक्ति के लिए सबके दरवाजे हमेशा खुले होते हैं। यह गुण मनुष्य की सदैव याद दिलाता है।

सौभाग्यशाली होते हैं ऐसे लोग जिनको सरलता से ओतप्रोत पवित्र हृदय मिला होता है। सरल हृदय में ही दैवत्व और विद्याओं का निवास हो सकता है। कपट विद्या कला तो है, पर मनुष्य को सभी से दूर कर देती हैं। कुटिल व्यक्ति पर कोई भरोसा नहीं करता। माया-कपट के रास्ते पर अगर कभी सफलता मिल भी जाती है तो पुण्य के इस खेल पर बहुत इतराने जैसा नहीं है। सरलता भयरहित, सन्देहमुक्त, शाश्वत और सुख-शांतिदायी है। मनुष्य को सरल होने का सदैव प्रयत्न करना चाहिए। अपनी बुद्धिमत्ता और कुटिलता पर कभी गर्व नहीं करना चाहिए।

संसार का हजारों वर्षों का इतिहास साक्षी हैं कि माया-कपट करने वालों का हमेशा दुःखद अंत हुआ। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी बुधवार को पदयात्रा करते हुए तरीकेरे पहुंचेंगे। वहां प्रातः धर्मसभा होगी। शुक्रवार को प्रातः वे भद्रावती पहुंचेंगे।

यंग शेफ ओलंपियाड का फाइनल कोलकाता में

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दुनिया के 10 अलग-अलग देशों के 10 युवा शेफ ओलंपियन ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय होटल प्रबंधन संस्थान (आईआईएचएम) के बेंगलूरु कैंपस में 11 वें आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड (वाईसीओ) के राउंड प्रथम में हिस्सा लिया। इन युवा शेफ ने 3.5 घंटे में अपने पाक कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें कौशल परीक्षण, शाकाहारी व्यंजन और मिठाई तैयार करना शामिल था। संस्थान के बेंगलूरु चेप्टर की निदेशक संचारी चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों के पाक कौशल, रचनात्मकता और विभिन्न व्यंजनों के ज्ञान के साथ-साथ दबाव में काम करने की उनकी क्षमता का परीक्षण करना था। यंग शेफ ओलंपियाड डॉ. सुबोर्नो बोस ने बताया कि चैलेंज विजेता और अन्य सभी पुरस्कार विजेताओं की घोषणा 8 फरवरी की शाम को कोलकाला में समापन पुरस्कार समारोह में की जाएगी। इस साल एक अतिरिक्त एलिमिनेशन राउंड यंग शेफ इंडिया राउंड था जिसमें देश भर के होटल प्रबंधन संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। वाईसीआई 2025 के विजेता बेंगलूरु के अलीअकबर रामपुरावाला रहे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.